बुधवार
21 फरवरी 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

पुजारी करता था मंदिर में गंदा काम, पुलिस ने किया गिरफ्तार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

17 वर्ष में जितना एफडीआई आया, उसका चार गुना सिर्फ चार वर्षों में यूपी में आया: योगी

- मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत एफडीआई कॉन्क्लेव को किया संबोधित
- बोले- एफडीआई व फॉर्च्यून ग्लोबल 500 पॉलिसी लेकर आने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है उत्तर प्रदेश

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

छह-सात वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी छवि को बदला है। आज ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश है। सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। उत्तर प्रदेश देश के विकास का बैरियर माना जाता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश ने खुद को बीमारू राज्य की श्रेणी से उबारकर देश के अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट के रूप में स्थापित किया है। हमारे पास प्रकृति भी है, परमात्मा भी है और प्रतिभा से भरपूर युवा भी हैं। इस त्रिवेणी के माध्यम से पीएम के मार्गदर्शन व नेतृत्व में हम यूपी को आगे बढ़ा रहे हैं। सात वर्षों में यूपी की अर्थव्यस्था व प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त हुई है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव 'यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडिया' को संबोधित कर रहे थे। सीएम व केंद्रीय मंत्री समेत अन्य अतिथियों ने बुकलेट का विमोचन किया। लघु फिल्म के माध्यम से बदलते उत्तर प्रदेश की कहानी को भी लोगों ने देखा। सीएम ने विश्वास दिलाया कि पीएम द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्रदेश सरकार समयबद्ध तरीके से प्राप्त करेगी और पीएम के संकल्पों के अनुरूप यूपी भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेगा।

निवेशकों के हितों को संरक्षण देने के लिए तैयार है यूपी

सीएम ने कहा कि यूपी ने नया प्रयास प्रारंभ किया है। पहले यहां शासन व विभागों के मकड़जाल में फाइल उलझ जाती थी। आज सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र' आपकी सेवा के लिए समर्पित है। एमओयू मॉनीटरिंग के लिए 'निवेश सारथी' पोर्टल निवेशकों की सेवा के लिए कार्य कर रहा है। यूपी में निवेशकों के लिए इन्सेंटिव मॉनीटरिंग सिस्टम प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। तकनीक का उपयोग करते हुए आपकी समस्या के समाधान के लिए इसे और भी अच्छा बनाने का प्रयास किया गया है। सीएम ने कहा कि यूपी अपने निवेशकों के हितों को संरक्षण देने के लिए तैयार है। सीएम ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उनका निवेश यूपी में सुरक्षित होगा और बिजनेस का नया आनंद प्रदान करने में योगदान देगा।

पीएम का विजन से संवर रहा यूपी: सीएम ने कहा कि यूपी को बीमारू राज्य से उबारने में हमें सफलता प्राप्त हुई तो इसके पीछे पीएम का विजन था, जिसे हमने मिशन के रूप में लेकर प्रभावी ढंग से अलग-अलग सेक्टर की पॉलिसीज बनाई और कानून व्यवस्था की बेहतरीन स्थिति देकर माहौल बदला। उसका परिणाम है कि सुरक्षा के साथ बेहतर कानून व्यवस्था, 25 सेक्टोरेल पॉलिसीज के अलावा जीबीसी के चतुर्थ संस्करण के साथ उत्तर प्रदेश अब देश की छठवीं नहीं, बल्कि दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित है। उप्र एफडीआई व फॉर्च्यून ग्लोबल 500 पॉलिसी लेकर आने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है।

चाभी नहीं जल्द प्रोडक्शन शुरू करें अशोक लीलेंड: सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में अशोक लीलेंड की इलेक्ट्रिक वाहन फैक्ट्री के भूमिपूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने कहा कि हिंदुजा ग्रुप के प्रकाश जी और अशोक जी ने अभी मुझे डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी सौंपी है। चाहूंगा कि सिर्फ चाभी नहीं, बल्कि जल्दी से जल्दी वो यहां अपना प्रोडक्शन शुरू करें। उत्तर प्रदेश का बाजार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत का बाजार उनका इंतजार कर रहा है।

इन्वेस्टर्स भी लें इनीशिएटिव: सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पहला इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट अशोका लीलेंड के माध्यम से स्थापित होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में हम जैसे इन्वेस्टर फ्रेंडली पॉलिसी लेकर आते हैं। वैसे ही इन्वेस्टर्स को भी अपने निवेश को पब्लिक फ्रेंडली बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक लाख स्कूली बस हैं हमारे पास, ये सब रिप्लेस हो जाएंगी इलेक्ट्रिक बसों में बशर्ते इस दिशा में हम लोगों ने थोड़ा भी इनीशिएटिव लिया तो। यूपी में एक लाख 5 हजार से अधिक राजस्व गांव हैं और दो लाख से अधिक मजरे हैं। अगर इन एक लाख गांवों को हमें शहरों से जोड़ना होगा तो भी सस्ती सेवा के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा सस्ती और लोकप्रिय माध्यम बन सकती है। इसमें हम अपने तमाम युवाओं को इस सर्विस के साथ जोड़ सकते हैं। यहां पर भी हिंदुजा ग्रुप भी कुछ इनीशिएटिव ले और स्टेट गवर्नमेंट भी इसको आगे बढ़ाए। कहा कि यूपी का मतलब यूपी नहीं है, यूपी का मतलब बिहार भी, मध्यप्रदेश भी और नेपाल भी, यूपी के साथ किसी न किसी रूप में जुड़ा हुआ है। ये सभी राज्य इस सुविधा का लाभ लेंगे।

सीएम नीतीश ने बदला केके पाठक का फैसला

सुबह 10 से 4 बजे तक ही होगी स्कूलों में पढ़ाई

- शिक्षा विभाग के अपर सचिव केके पाठक के फैसले पर बिहार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विपक्ष ने किया हंगामा
- स्कूलों का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक करने का जारी हुआ था फरमान

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक द्वारा स्कूलों में पढाई का समय सुबह 10 बजे से 4 बजे की जगह सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक करने के आदेश पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आपत्ति जताई है। केके पाठक द्वारा लिये गए इस फैसले पर बिहार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विपक्ष ने हंगामा कर दिया। इस पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक ही रहेगा।

दरअसल राजद विधायक भाई वीरेन्द्र ने विधानसभा में स्कूल की समय सारिणी का मुद्दा उठाया था। भाई वीरेन्द्र का सवाल था कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने अपने स्तर से स्कूल के समय मे बदलाव कर दिया है और शिक्षकों से सुबह 9 से शाम 5 बजे तक स्कूल में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इस सवाल का जवाब शिक्षा मंत्री विजय चौधरी देने के लिए खड़े ही हुए थे कि सीएम नीतीश कुमार खुद खड़े हो गए और कहा कि हमने पहले ही निर्देश दिया था कि स्कूल को 10 से 4 बजे के बीच चलाना है। अगर अभी तक उनके निर्देश को लागू नहीं किया है तो आज ही अधिकारियों को बुलाकर पूछते हैं। नीतीश कुमार ने भाई वीरन्द्र को कहा कि पहले तो आपलोगों के पास ही विभाग था। आप ध्यान दिलाते तो ये पहले ही हो जाता। हमलोग जब स्कूल मे पढ़ते थे तो स्कूल 10 से 4 बजे तक चलता था और आगे भी इसी समय सारिणी के अनुसार चलेगा। कहा कि केके पाठक को आज ही बुलाकर कह देंगे, यह उचित नहीं की शाम पांच बजे तक स्कूल चले। इससे पहले जदयू के कई नेताओं ने भी इस पर आपत्ति जताई थी और टाइम बदलने की मांग की थी। अब सदन में ही नीतीश कुमार ने केके पाठक पर भड़कते हुए उनके आदेश को पटलने को कहा है।

सभी जिलों के डीएम को लिखा गया था पत्र

केके पाठक की तरफ से शिक्षकों की ड्यूटी टाइमिंग में बदलाव किया गया था। उनकी तरफ से सभी जिलों के डीएम को पत्र लिखकर ये फरमान जारी किया गया था। डीएम को लिखे पत्र में यह भी कहा गया था कि अगर आवश्यकता हो तो चुनावी ड्यूटी में भी शिक्षकों और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को लगाया जा सकता है। उनकी ड्यूटी शाम 5 बजे के बाद ही लगाई जा सकती है ताकि स्कूल की पढ़ाई बाधित ना हो। चुनावी कामों में अक्सर शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है। जिसकी वजह से स्कूल टाइम में शिक्षक चुनावी काम में लगे रहते है तो वो बच्चों को नहीं पढ़ा पाते। केक पाठक के इस फरमान का शिक्षक लंबे समय से विरोध कर रहे थे।

सक्षमता परीक्षा के फैसले पर भी शिक्षकों को एतराज

नियोजित शिक्षक केके पाठक के उस फरमान को भी वापस लेने की जिद पर अड़े हैं, जिसमें राज्यकर्मी का दर्जा पाने के लिए सक्षमता परीक्षा पास करने की बात कही गई है। बिहार के चार लाख नियोजित शिक्षकों का संगठन बिहार शिक्षक एकता मंच सक्षमता परीक्षा के बायकाट पर अड़ा है। उसकी मांग है कि बिना शर्त राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए और ऐच्छिक स्थानांतरण का प्रावधान लागू हो। शिक्षक एकता मंच ने कहा है कि सभी शिक्षक सक्षमता परीक्षा के बहिष्कार पर डटे हुए हैं। बिहार मे 90% शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं किया है। मंच ने शिक्षकों से यह अपील भी की है कि जिन्होंने चोरी-छिपे आवेदन फॉर्म भर दिए हैं, वे परीक्षा का बहिष्कार करते हुए आंदोलनकारी शिक्षकों के साथ आएं।

बिहार में तीन चरण में लोकसभा का चुनाव कराए निर्वाचन आयोग

जदयू ने निर्वाचन आयोग से की मांग

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की टीम तीन दिवसीय बिहार दौरे पर है। चुनाव आयोग की तरफ से मंगलवार को पटना में सभी राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई गई। इस बैठक में विभिन्न दलों के शीर्ष नेता शामिल हुए और चुनाव आयोग को अपने सुझाव दिए। चुनाव आयोग की बैठक में जेडीयू की तरफ से मुंगेर सांसद और जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा समेत अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में जेडीयू की तरफ से ललन सिंह ने तीन चरण में लोकसभा का चुनाव कराए जाने की मांग की है और कहा है कि सात चरण में चुनाव होने से राजनीतिक दलों के साथ साथ पार्टियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

राजद की मांग, बैलेट पेपर से हो चुनाव

दूसरी तरफ आरजेडी के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मिलकर आगामी लोकसभा का चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष वृषण पटेल, प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन एवं मुख्यालय प्रभारी महासचिव मुकुंद सिंह शामिल थे।

ललन सिंह ने कहा कि जेडीयू की तरफ से चुनाव आयोग को मुख्य रूप से तीन सुझाव दिए गए हैं। बिहार में सात चरण में चुनाव होने से इलेक्शन लड़ने वाले उम्मीदवारों पर अधिक खर्च पड़ता है। लंबे समय तक उन्हें चुनाव प्रचार करना पड़ता है। उम्मीदवार के साथ साथ नेताओं को भी चुनाव प्रचार में गर्मी के दिनों में काफी परेशानी होती है, इसलिए अधिकतम तीन फेज में चुनाव कराए जाएं।

राज्यसभा चुनाव: निर्विरोध निर्वाचित हुए बिहार के सभी छह उम्मीदवार

केटी न्यूज/पटना

राज्यसभा में बिहार की 6 सीटों पर चुनाव के नतीजे आ गए हैं। बिहार के सभी 6 उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। राज्यसभा के लिए बिहार से बीजेपी के दो, आरजेडी के दो, आरजेडी के एक और कांग्रेस से एक उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। सभी को निर्विरोध राज्यसभा का सदस्य चुन लिया गया है। राज्यसभा में खाली हुई बिहार की 6 सीटों पर चुनाव कराए गए। बीजेपी की तरफ से भीम सिंह और धर्मशीला गुप्ता ने नामांकन दाखिल किया था जबकि जेडीयू से संजय झा को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया था। वहीं राष्ट्रीय जनता दल से मनोज झा और तेजस्वी के करीबी संजय यादव के अलावा कांग्रेस से अखिलेश प्रसाद सिंह ने नोमिनेशन फाइल किया था। आज राज्यसभा चुनाव के नतीजे सामने आए और बिहार के सभी उम्मीदवार राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हो गए।

बलिया में भीषण सड़क दुर्घटना में चार की मौत

बलिया। यूपी के बलिया जिला के नगरा थाना क्षेत्र के गोठाई तिलकारी गांव के पास ट्रैक्टर रहित मिक्सर मशीन और बाइक के बीच टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार हादसे में बाइक सवार शैलेंद्र राजभर (25) व बंटी राजभर (26) निवासी खनवर व मिक्सर मशीन सवार शिवदरस (52) निवासी गहना थाना हलधरपुर जिला मऊ व एक अज्ञात 55 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई है। एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसको उपचार कर चिकित्सकों ने छुट्टी दे दी है। थाना प्रभारी अतुल मिश्रा ने बताया कि एक ट्रैक्टर पर सवार मजदूर ढलाई मिक्सर मशीन लेकर कहीं से छत ढलाई का काम कर वापस घर लौट रहे थे। रात होने के कारण दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। इसी दौरान बाइक और ट्रैक्टर में जोरदार भिड़ंत हुई। जिसमें बाइक के परखच्चे उड़ गए।

लखीसराय में सिरफिरे ने स्कूल जा रही लड़की को मार दी गोली

केटी न्यूज/पटना

इश्क का खुमार जब किसी पर चढ़ता है तो फिर उसे शायद ही समझ में आता हो कि उसके तरफ से जो कदम उठाए जा रहे हैं वह कितना सही है और कितना गलत, उसे बस यही समझ में आता है कि जो अपनी प्यार को किसी भी हद में जाकर हासिल कर सकें। लेकिन, कभी- कभी इसी वजह से कुछ गैरकानूनी कदम भी उठा लिए जाते हैं। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला लखीसराय से निकल कर सामने आया है। जहां एक प्रेमी को उसके आशिक ने गोली मारकर घायल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, लखीसराय में प्रेम प्रसंग के मामले में एक युवक ने लड़की के सर में गोली मार दी. वहीं लड़की पर जानलेवा हमला करने के बाद सिरफिरे ने खुद की जान लेने की कोशिश भी की जिसमें वो सफल नहीं रहा। ग्रामीणों ने हथियार के साथ लड़के को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। वहीं लड़की को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह हमला लड़की के स्कूल जाने के दौरान हुआ है। वहीं, यह घटना बडहिया के पाली पंचायत के कमालपुर की है। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना को लेकर मिल रही जानकारी के अनुसार, करमपुर निवासी मुकेश महतो की पुत्री नीलम कुमारी रोजाना की तरह पढ़ाई के लिए अपने स्कूल, उच्च विद्यालय बिरूपुर जा रही थी। वहीं उसके सिरफिरे प्रेमी ने उसे रास्ते में ही आकर गोली मार दी। यह मामला प्रेम-प्रसंग के विवाद का बताया जा रहा है। हमला करने वाले सिरफिरे प्रेमी की पहचान रामइकबाल महतो के पुत्र बमगाली कुमार उर्फ रहीश कुमार के रूप में की गयी है।

बताया जा रहा है कि, करीब साल भर से लड़का और लड़की के बीच में प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। युवक उत्तर प्रदेश में एक कंपनी में काम करता है। वह सोमवार को ही अपने घर वापस आया था।

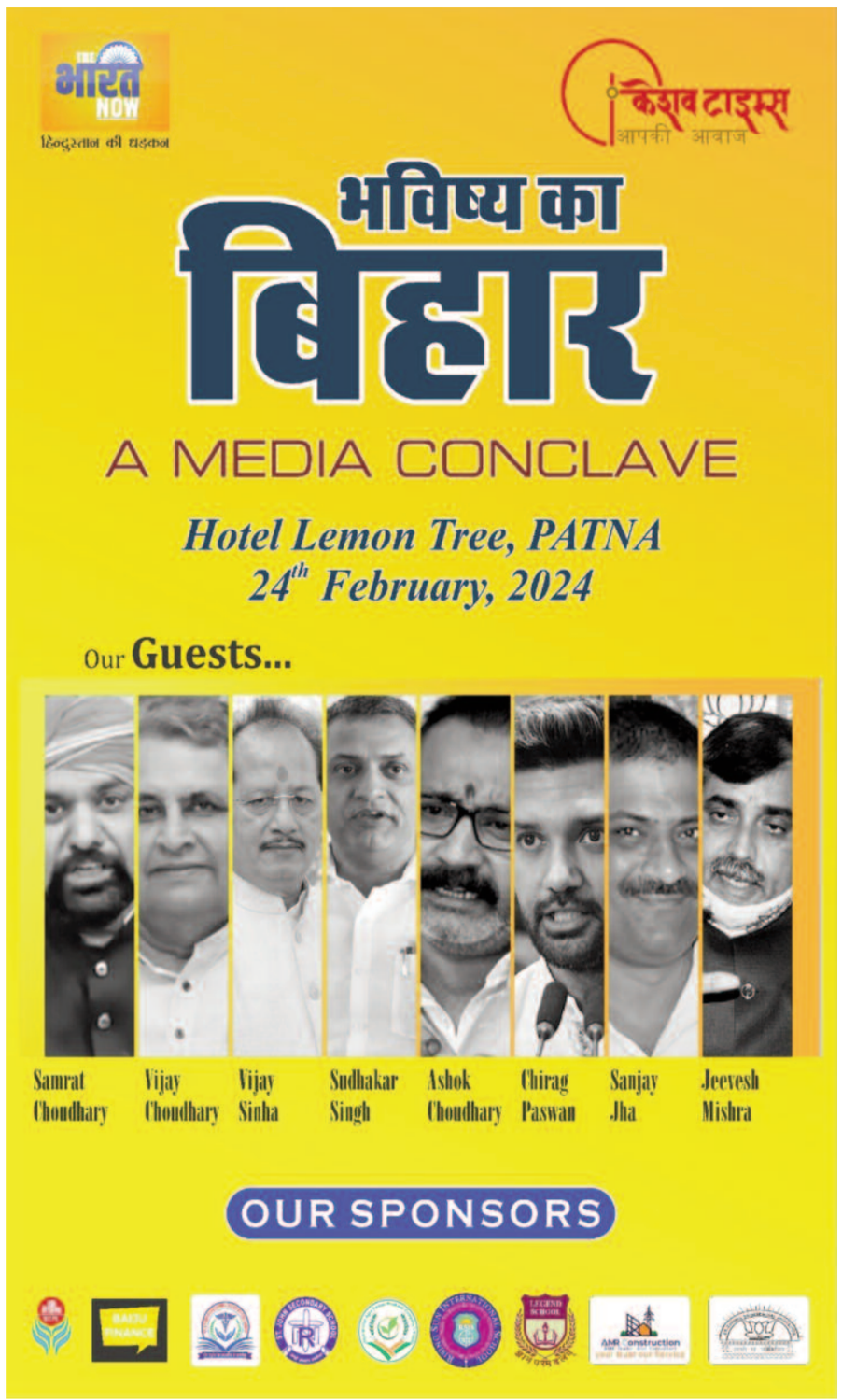

जन विश्वास यात्रा पर निकलने से पहले नीतीश को लेकर तेजस्वी का बड़ा हमला

जनमत को पैर की जूती समझते हैं सीएम नीतीश: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की जन विश्वास यात्रा मंगलवार से प्रारंभ हो रही। इसके पूर्व यात्रा के कार्यक्रम में मामूली बदलाव किया गया है। यात्रा का समापन 29 फरवरी की बजाय एक मार्च को होगा। वहीं, इस यात्रा पर निकलने से पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को आड़े हाथ लेते हुए जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि- हमने सरकार में रहते हुए यानी 17 महीने में जो काम किया है वह 17 सालों में नहीं हुआ है। अब हम यही बात को लेकर जनता के बीच जाएंगे और उन्हें यह बताएंगे की बिहार के विकास के लिए क्या कुछ जरूरी है। उन्हें यह बतलाएंगे कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार जनमत को यानी जनता के मत को पैर की जूती समझते हैं। लेकिन मैं और मेरी पार्टी यह होने नहीं देगी और पुरे बिहार का विकास करेगी।

उन्होंने कहा कि- जनता हमारी मालिक है और हम उनके बीच जा रहे हैं। जन विश्वास यात्रा के जरिए हम लोगों को यह बताएंगे कि हमने क्या कुछ किया है। पूरा भरोसा है कि जनता ने जिस प्रकार से हमारे पिता और हमारी पार्टी को समर्थन, प्यार और आशीर्वाद देने का काम किया है। जनता ने हमें लगातार पिछले दो विधानसभा चुनाव में बहुमत देकर सबसे बड़ी पार्टी बनाने का काम किया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई विजन नहीं भी नहीं है और ना ही गठबंधन बदलने का कोई उचित रीजन है।

राजद सिर्फ माई की नहीं बल्कि बाप (BAAP) की पार्टी है

जन विश्वास यात्रा पर लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि कहा कि सत्ता पक्ष के कुछ लोग कहते हैं राजद माई (एमवाई) की पार्टी है। आज मैं उनलोगों को स्पष्ट देता हूं कि राजद न सिर्फ माई की पार्टी है बल्कि ये बाप (BAAP) की पार्टी है। तेजस्वी यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बाप (BAAP)के बी का मतलब - बहुजन, ए का मतलब - अगड़ा, ए का मतलब - आधी आबादी और पी का मतलब -पुअर या गरीब की पार्टी है। तेजस्वी ने कहा कि हम लोग बांटने और तोड़ने की राजनीति नहीं करते है। हमारी पार्टी में सभी बहुजन आ गए, सभी अगड़ा लोग आ गए, आधी आबादी सभी महिलाएं आ गईं, सभी हमारे गरीब आ गए। इसीलिए तो मैं कहता हूं कि तो राजद माय के साथ ही साथ बाप की भी पार्टी है।

तेजस्वी के जन विश्वास यात्रा से नहीं पड़ता फर्क: कुशवाहा

बिहार में एनडीए सभी 40 सीटों पर जीत हासिल करेगी। यह दावा एनडीए में शामिल उपेंद्र कुशवाहा ने लोकसभा चुनाव से पहले किया है। कुशवाहा ने कहा है कि- केंद्र को मोदी सरकार और बिहार में नीतीश की सरकार में काफी काम हुआ है जो बिहार के विकास के लिए काम करेंगे। उन्होंने यह बातें अपनी पार्टी के एक साल पूरे जाने पर आयोजित एक समारोह में कहा है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि- हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा का गठन एक साल पहले किया गया था और पार्टी गठन के एक साल होने के उपलक्ष में ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। हमने जनता दल यूनाइटेड से अलग होने के बाद जब अपनी पार्टी का गठन किया था तब इसका नाम राष्ट्रीय लोक जनता दल था, अब हाल ही में चुनाव आयोग के तरफ से इसे नया नाम दिया गया है। कुशवाहा ने तेजस्वी यादव की यात्रा के बारे में कहा कि- वह यात्रा कर रहे हैं। यह उनकी पार्टी का काम है। वह कुछ भी कर लें कोई फर्क नहीं पड़ता है। बिहार समेत पूरे देश में एनडीए का ही बोलबाला है और आने वाले समय में भी एनडीए का ही बोलबाला रहेगा।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का एक आरोपित गिरफ्तार, दूसरे की तलाश

केटी न्यूज/औरंगाबाद

किशोरी से दुष्कर्म मामले में एक आरोपित को ओबरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य अज्ञात आरोपित की तलाश की जा रही है। पकड़ा गया आरोपित थाना क्षेत्र के उकुर्मी गांव निवासी प्रिंस कुमार उर्फ. गोलू है। जानकारी के अनुसार बीते 18 फरवरी की रात थाना क्षेत्र के एक गांव में बारात आई हुई थी जिसने किशोरी बारात देखने गई थीं। इसके बाद घर लौटने के दौरान दोनों आरोपियों ने किशोरी को

बारात देखने गई किशोरी को बनाया था हवस का शिकार

जबरन उठाकर गांव से बाहर ले गए और उसके साथ सामुहिक दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया। किशोरी जब घर पहुंची तो, उसके शरीर से रक्तस्राव हो रहा था जिसका मां ने कारण पूछा तो, घटना से जुड़ी सारी बातेउसने बताई। तत्पश्चात उसे इलाज के सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इधर घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके अलोक में पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुऐ मंगलवार को एक आरोपित को रोहतास से गिरफ्तार किया है। जबकि दुसरे अज्ञात आरोपित की तलाश की जा रही है। प्रेस-वार्ता कर जानकारी देते हुऐ पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) नव वैभव ने बताया कि बारात देखने गई एक किशोरी से 2 लड़कों ने मुंह बंद करके सामूहिक दुष्कर्म किया है। इस घटना के बाद पीड़िता की हालत खराब हो गई है। नाबालिग का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

चोरों ने रोस्तमपुर गांव से चुराया चार मवेशी

जहानाबाद। हुलासगंज थाना क्षेत्र में लगातार भैंसों की चोरी से पशुपालकों की नींद हराम हो गई है। एक महीने के अंदर पांच जगह से मवेशियों की चोरी के बाद सोमवार की रात में रुस्तमपुर गांव से रामाधीन यादव के गौशाला से एक भैंस तथा संतोष यादव के गोशाला से दो भैंस तथा एक पाडी को भी चोरों ने गायब कर दिया । घटना की जानकारी मिलते ही पूरे थाना क्षेत्र में एक बार फिर से लोग खौफजदा हो गए हैं ।बताते चले कि लगातार मवेशी चोरों द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है । कोकरसा पंचायत के मुखिया राधा देवी तथा मुखिया प्रतिनिधि दीपक कुमार ने बताया कि एक तरह से देखा जाए तो यह पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती है ।नरमा ,मुसहरी ,बिशनपुर तथा कोकरसा से भैंसों की चोरी होने के बाद रुस्तमपुर में भी चोरी की घटना ने स्थानीय पुलिस को खुली चुनौती दे दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चोरों द्वारा वाहन का प्रयोग किया जा रहा है।

एक नजर

फुटबॉल मैच में झारखंड ने पटना को हराया

जहानाबाद। मखदुमपुर प्रखंड में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इक्किल खेल मैदान में यंग एथलेटिक क्लब द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू किया गया। इसका उद्घाटन आरिस्टो फार्मा के एमडी उमेश शर्मा उर्फ भोला बाबू, जिला परिषद अध्यक्ष रानी कुमारी सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन केशव प्रिंस समेत आगत अतिथियों ने रिबन काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय महिला फुटबॉल मैच महिला फुटबॉल क्लब पटना एवं महिला फुटबॉल क्लब झारखंड के बीच खेला गया। मैच में झारखंड के महिला खिलाड़ियों ने बिहार टीम को पराजित कर दिया। मैच में मध्यांतर के पूर्व 2 मिनट पहले झारखंड टीम ने एक गोल पटना टीम पर दाग कर बढ़त बना ली। वहीं सेकंड हाफ प्रारंभ होते ही पहले ही 2 मिनट में पुनः झारखंड ने एक गोल दाग 2/0 से बढ़त बना लिया। वहीं मैच समापन के 15 मिनट पूर्व पटना की टीम ने एक गोल दागे। इस प्रकार झारखंड की टीम ने शानदार खेल दिखा मैच अपने नाम कर लिया। मैन ऑफ द मैच का खिताब झारखंड की कल्पना को दिया गया। विजेता टीम को आरिस्टो फार्मा के एचडी भोला बाबू ने पुरस्कृत किया।

बेटी की डोली उठने से पहले उठी मां की अर्थी

औरंगाबाद। ओबरा थाना क्षेत्र के बेल-पौथू रोड में एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को रौंद दिया, जिसमें 45 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गयी जबकि युवक घायल हो गया। घटना मंगलवार दोपहर की है। मृतका की पहचान फेसर थाना क्षेत्र के करसांव गांव निवासी अमोद कुमार की पत्नी किरण कुमारी के रूप में हुई है। जबकि अमोद को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आक्रोशितों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार मृतका की इकलौती पुत्री वैष्णवी का 23 अप्रैल को शादी होना था। पूरा परिवार शादी की तैयारी में जुटा हुआ था। मंगलवार को पति-पत्नी बाइक से बेटी वैष्णवी की शादी के लिए कपड़ों की खरीदारी करने ओबरा बाजार जा रहे थे, जैसे ही बेल-पौथू रोड स्थित एक धर्मकांटा के समीप पहुंचे तभी अनियंत्रित ट्रक ने दोनों को रौंद दिया। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गयी। इधर घटना के बाद आक्रोशितों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के कारण घंटों आवागमन बाधित रहा। सूचना पर प्रशिक्षु डीएसपी दाउदनगर चंदन कुमार ठाकुर, सीओ हरिहरनाथ पाठक, सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार एवं ओबरा थानाध्यक्ष अजय कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशितों को समझा-बुझाकर सड़क जाम को हटाया। घटना के बाद सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य पुष्कर अग्रवाल अपने अन्य सदस्यों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को सीएचसी ओबरा पहुंचाया। मृतका के एक पुत्र व एक पुत्री है।

डीडीसी ने पांच अभ्यर्थियों को बांटे नियोजन पत्र

औरंगाबाद। समाहरणालय के सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त-सह-उपाध्यक्ष, आत्मा, औरंगाबाद द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत प्रखंड स्तरीय संविदा आधारित प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के 07 रिक्त पद एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के 12 रिक्त पदों पर नियोजन हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियोजन पत्र प्रदान किया गया जिसमें नियोजन पत्र प्राप्त करने हेतु प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के 05 अभ्यर्थी एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के 05 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। जिन्हें नियोजन पत्र दिया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक, आत्मा, उप परियोजना निदेशक, आत्मा, औरंगाबाद एवं अभ्यर्थी उपस्थित हुए।

खबरें फटाफट

उधार का पैसा मांगने पर दिव्यांग को पीटा

जहानाबाद। घोसी थाना क्षेत्र के मोकमबिगहा गांव में उधार का पैसा मांगने गए एक दिव्यांग के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दिया। इस संदर्भ में मननपुर गांव निवासी पीड़ित संतोष कुमार ने बताया कि वह मोकमबिगहा गांव निवासी एक व्यक्ति को 70000 रुपए उधार दिए थे हालांकि मांग करने पर उसे व्यक्ति के द्वारा 17000 रुपया वापस भी किया गया था। लेकिन शेष बचे पैसे का मांग जब उनके द्वारा पिछले कई महीने से किया जाने लगा तो उस व्यक्ति के द्वारा पैसे देने से इनकार कर दिया और उल्टा मारपीट भी कर दिया। इस मामले को लेकर पीड़ित के द्वारा घोसी थाने में आवेदन दिया गया है।

डीडीसी ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण

औरंगाबाद। लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं एवं समस्याओं की स्थिति की जानकारी लेने को लेकर डीडीसी अभ्येंद्र मोहन सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ मदनपुर प्रखंड क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान विशेष रूप से मतदान केंद्रों में मतदाता सूची में नाम शामिल करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस दौरान डीडीसी ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय बंगरे, जुड़ाही, लाल्टेनगंज, चिल्मी, आजन, खिरियावां, कोल्हुआ सहित कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया है। डीडीसी ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि मतदान केंद्रों में चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार कोई भी कमी नहीं रहनी चाहिए। रैंप, पेयजल, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, पर्याप्त सुरक्षा, स्थान आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर सहित अन्य सुविधाओं का होना भी जरूरी है। डीडीसी ने कोल्हुआ गांव के समीप बने गोबर प्लांट, भगन बीघा के समीप निर्मित शवदाह गृह एवं मनरेगा कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान बीडीओ कुमुद रंजन, थानाध्यक्ष राजेश कुमार,मनरेगा पीओ, किसान सलाहकार मुकेश कुमार व अन्य मौजूद थे।

औरंगाबाद के कुटुंबा प्रखंड के मटपा में बच्चों को नहीं मिल पा रही शिक्षा

विभागीय लापरवाही के कारण अशिक्षा के गर्त में जा रहा सैकड़ों बच्चों का भविष्य

- बहेरा जनकपुर टोला में ढाई साल से बन रहा प्राथमिक विद्यालय, धीमा निर्माण कार्य से ग्रामीणों में आक्रोश
- अटेंडेंस बनाकर मिड डे मील के पैसे की होती है निकासी

केटी न्यूज/औरंगाबाद

सरकार निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है परंतु विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण आज भी सैकड़ों बच्चे प्रारंभिक शिक्षा से वंचित रह जा रहे हैं। कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मटपा के वार्ड संख्या चार में ऐसा ही एक वाक्या सामने आया है। नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बहेरा जनकपुर टोला के धीमी निर्माण प्रक्रिया से ग्रामीणों में काफी असंतोष है। ग्रामीण केदार मेहता ने बताया कि लगभग ढ़ाई वर्षों से विद्यालय का निर्माण कार्य चल रहा है परंतु अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य को लेकर प्रधानाध्यापक लापरवाह हैं। उनका जब मन होता है एक मिस्त्री और एक मजदूर लगा कर काम चालू कर देते हैं और जब मन करता है काम बंद कर देते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भवन के अभाव में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय का संचालन मिडिल स्कूल मटपा में

किया जाता है जिसकी दूरी हमारे गांव से दो किलोमीटर है। दूरी ज्यादा होने के कारण गांव के दलित, महादलित एवं अति पिछड़े समाज के सैंकड़ों बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

मिड डे मील योजना राशि का होता है बंदरबांट : ग्रामीणों ने बताया कि दूरी ज्यादा होने के कारण गांव के बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। फिर भी बच्चों का अटेंडेंस बनाकर मिड डे मील का पैसा निकाला जाता है। उच्च स्तरीय जांच के दौरान पूरा मामला स्पष्ट हो जाएगा।

भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई न होने से बढ़ता है इनका मनोबल : ग्रामीण विरेंद्र मेहता ने कहा कि हम लोगों ने कई बार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से शिकायत करने का प्रयत्न किया परंतु जब भी प्रखंड शिक्षा कार्यालय में जाते हैं शिक्षा पदाधिकारी से मुलाकात नहीं हो पाती है। उनके समय-सारणी का पता नहीं चल पाता है। जब शिक्षा पदाधिकारी का यह हाल है तो शिक्षक तो मनमानी करेंगे ही। हम मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाकर थक चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शिकायत करने की बात पर प्रधानाध्यापक कहते हैं कि जहां जाना है जाइए हम लोग सब समझ लेंगे। प्रधानाध्यापक का जवाब सुनकर ऐसा लगता है की भ्रष्ट शिक्षकों को अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। तभी वे बेखौफ होकर भ्रष्टाचार को अंजाम देते हैं। ग्रामीणों ने विद्यालय का निर्माण शीघ्र कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

दिनदहाड़े बदमाश ने घर में घुसकर की लूटपाट, महिला को बनाया बंधक

औरंगाबाद। बदमाशों के हौसलें बुलंद है। दिन दहाड़े लूट, चाकूबाजी, चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। बदमाशों के हौसले का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मंगलवार की दोपहर बारूण थाना क्षेत्र के टेंगरा गांव में दिन दहाड़े एक युवक घर में घुस गया और महिला को बंधक बनाकर लूट-पाट को अंजाम दिया जिसमें पचास हजार रुपए नगद सहित करीब डेढ़ लाख रुपए की संपत्ति लेकर बदमाश फरार हो गया। इधर घटना की सूचना पर पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना को लेकर पीड़ित उस गांव निवासी विकास कुमार शर्मा ने थाना में तहरीर समर्पित कर अज्ञात बदमाश के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार की दोपहर एक नकाबपोश युवक घर की दरवाजे पर आया और घर में महिला को अकेली देख, उसे पहले बंधक बनाया और फिर लूट-पाट की वारदात को अंजाम दिया जिसमें नगद सहित करीब डेढ़ लाख रुपए की संपत्ति लेकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष कुमार सौरभ ने बताया कि घटना की सूचना मिली हैं जिसके अलोक में अज्ञात बदमाश की तलाश की जा रही हैं।

पुजारी करता था मंदिर में गंदा काम, पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/औरंगाबाद

मंदिर में पूजा-पाठ करने जाने वाली युवती को क्या पता कि किसी की गंदी नजरें उसे देख रही हैं जिस पुजारी के पांव छूकर महिलाएं खुद को सौभाग्शाली मानती थीं दरअसल वो इंसान के भेष में शैतान निकला। पुजारी के काले कारनामे उजागर होते ही देवी मंदिर में सनसनी फैल गई। मामला औरंगाबाद जिले के ओबरा बाजार स्थित देवी मंदिर की है। इस दौरान मंदिर परिसर में युवती एवं पुजारी के अलावा दूसरा कोई नहीं था। उस वक्त पुजारी ने युवती के साथ गलत करने की कोशिश किया। यह पूरी घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसमें पुजारी अज्ञात महिला का गाल सहला रहा है। साथ ही गंदी बात कर रहा है, हालांकि देखने से ऐसा लग रहा है कि यह सब युवती की सहमति से हो रहा है।

13 साल से देवी मंदिर में था पुजारी : बताया जाता है कि पिछले 13 साल से पुजारी मंदिर में

पुजारी के तौर पर कार्यरत था। घटना की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुऐ ओबरा पुलिस ने पुजारी को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार मंदिर प्रशासन ने पुजारी को पदमुक्त कर दिया है। पुजारी की पहचान थाना क्षेत्र के पंडित मुहल्ला निवासी संजय पांडे के रूप में की गई है।

पुजारी को पुलिस ने भेजा जेल : मामले में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुऐ पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) नव वैभव ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष अजय कुमार अपने दल - बल के साथ देवी मंदिर पहुंचे जिसमें पुजारी को हिरासत में लेकर आवश्यक पूछ-ताछ की गई। इसके बाद मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुऐ आरोपित को जेल भेज दिया गया।

बारुण प्रखंड के शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा का किया विरोध, नारा लगाकर जाहिर किया आक्रोश

केटी न्यूज/बारुण

बारुण प्रखंड के शिक्षकों ने प्रखंड संसाधन केंद्र के गेट पर सक्षमता परीक्षा का विरोध करते हुए आक्रोश जाहिर किया। साथ ही कहा कि सक्षमता परीक्षा के माध्यम से सरकार शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। सक्षमता परीक्षा के नाम पर सरकार शिक्षकों के बीच फूट डालो एवं राज करो की नीति अपना कर उन्हें दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है। शिक्षक एकता मंच के मंडल प्रखंड अध्यक्ष अनिल टाइगर एवं अरविंद कुमार ने बताया कि इस परीक्षा के नाम पर सरकार शिक्षकों को बांटना चाहती है। हम इस परीक्षा का विरोध करते हैं एवं यह भी कहा कि जो शिक्षक गलती से इसका फॉर्म भर चुके हैं वे परीक्षा ना दें। परीक्षा का प्रवेश पत्र डाउनलोड ना करें। शिक्षक एकता को मजबूती प्रदान करने का कार्य करें। इस मौके पर शिक्षक एकता मंच के

सदस्य मनोज कुमार सिंह, रवि शंकर सिंह धर्मेंद्र कुमार सिंह, राजा दिलीप सिंह, जयप्रकाश कुमार, नरेंद्र कुमार सिंह, कन्हैया कुमार सिंह,शशिधर उज्जवल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

बाजार करने जा रही महिला की बाइक से गिरने से मौत

केटी न्यूज/आरा

सकड्डी नासरीगंज स्टेट हाइवे पर संदेश थाना क्षेत्र के नुरपुर गांव के समीप मंगलवार की दोपहर बाइक से गिरने से एक महिला की मौत हो गयी। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत महिला संदेश थाना क्षेत्र के भीमपुरा गांव निवासी अजय सिंह की 40 वर्षीया पत्नी बबीता देवी थी। बताया जा रहा है कि मंगलवार की दोपहर वह अपने एक रिश्तेदार के साथ मार्केटिंग करने बाइक से संदेश बाजार जा रही थी। तभी नुरपुर गांव के समीप अचानक स्पीड ब्रेकर आ जाने के कारण वह बाइक से असंतुलित होकर गिर पड़ी। उसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसके बाद परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए संदेश स्थित रेफरल अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत देखते हुए आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव लेकर चले गए। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। महिला को दो पुत्री है। उनमें एक की शादी हो गई जबकि दूसरी की शादी करनी है।

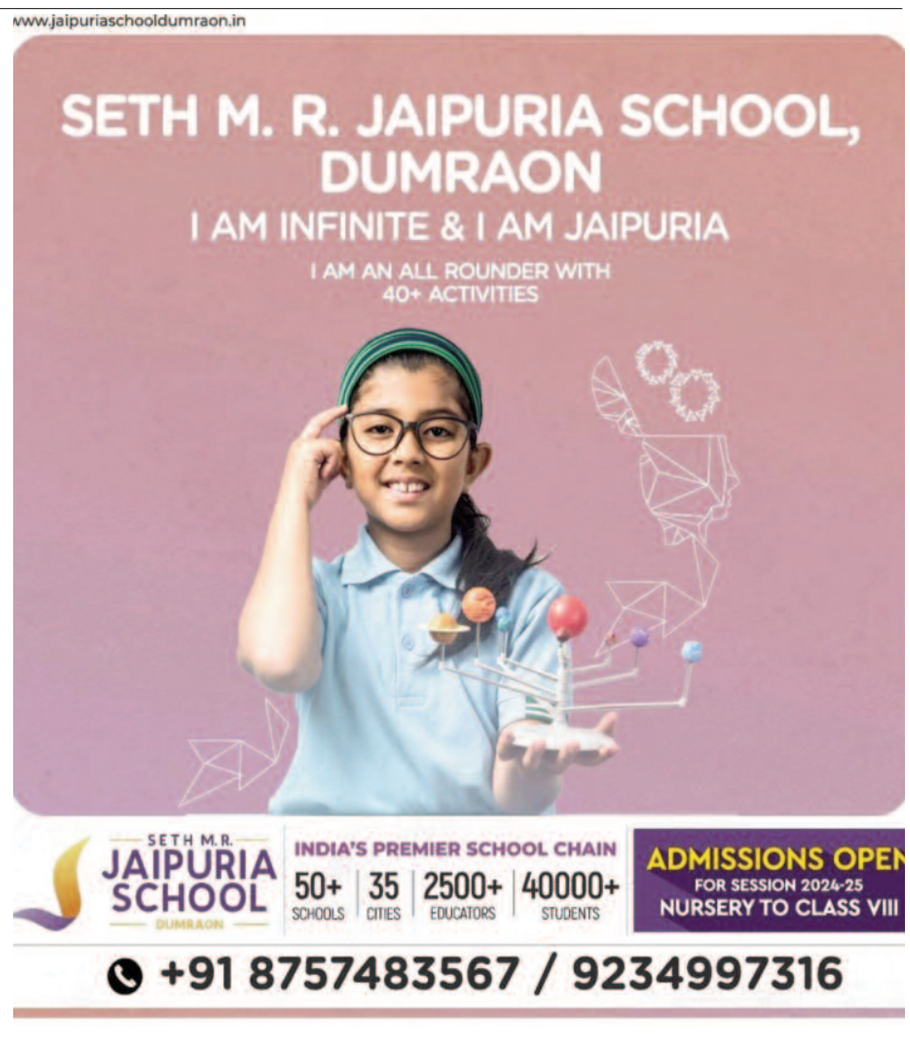

खबरें फटाफट

चोरी की बैट्री व ट्रैक्टर के साथ चोर गिरफ्तार

डुमरांव। कृष्णाब्रह्म पुलिस एक चोर को चोरी की दो बैट्री तथा एक साइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोर पुराना भोजपुर के धनराज सिंह का पुत्र गोरख कुमार है। उसके पास से कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र से चोरी गए एक्साइज कंपनी के ट्रैक्टर के दो बैट्री तथा एक साइकिल मिला है। पुलिस ने आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया है। इस आशय की जानकारी कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने दी।

लोक शिकायत कर्मियों का छः माह से पीएफ का नहीं हुआ भुगतान

केसठ। प्रखंड आरटीपीएस और बिहार लोक शिकायत के कर्मियों का छः माह से पीएफ का भुगतान नहीं होने से कर्मियो में रोष व्याप्त है। इसकी जानकारी देते हुए अंचल कार्यालय सहायक सह आरटीपीएस जिला उपाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि जिला में आवंटन की राशि पर्याप्त रहने के बावजूद भी समय से न तो मानदेय का भुगतान होता है और न ही पीएफ का। जिससे कर्मियों को काफी परेशानी से गुजरना पड़ रहा है। राशि आवंटन के बाद भी भुगतान समय से नहीं होना संबंधित अधिकारियों के कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है। डीएम से भुगतान की गुहार लायी है।

प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे मौके पर, समस्या निदान का प्रयास जारी

चौसा में फिर से उग्र हुए किसान, थर्मल पॉवर प्लांट के मुख्य गेट को किया जाम

- थर्मल प्लांट के लिए वाटर पाइप लाइन का काम शुरू होते ही बढ़ा किसानों का विरोध

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट पॉवर प्लांट के निर्माण के दौरान किसानों का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को पॉवर प्लांट के संचालन के लिए महत्वपूर्ण वॉटर पाइप लाईन का निर्माण शुरू होते ही किसान एक बार फिर से उग्र विरोध पर उतर गए। इस दौरान किसानों ने थर्मल पॉवर प्लांट के मुख्य गेट को जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इधर कंपनी प्रबंधन ने विरोध को देखते हुए वाटर पाइप लाइन का निर्माण कार्य प्रशासन की देख-रेख कराया है। अभी सरकारी भूमि से ही निर्माण प्रक्रिया की शुरूआत की गई है। कंपनी सूत्रों की मानें तो निर्माणधीन थर्मल पॉवर प्लांट के लिए मुख्य हिस्सा कच्चे माल के आवंटन हेतु रेल कॉरिडोर व पानी आपूर्ति के वाटर पाइप लाइन निर्माण अहम है। इसी निर्माण की जरूरी भूमि को लेकर बहुत दिनों से विरोध चल रहा था। हालांकि, इसको लेकर भूमि के मुआवजा का मामला लारा कोर्ट में चल रहा है। वही कई किसान भूमि का मुआवजा भी ले लिए है। इधर, इस मामले में जिला प्रशासन को उच्च न्यायालय द्वारा दिये गए निर्देश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी धीरेन्द्र मिश्रा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला भूअर्जन पदाधिकारी व अंचल पदाधिकारी आरती कुमारी भारी पुलिस बल के साथ चौसा महादेवा घाट के समीप निर्माणधीन पम्प हाउस पहुंचे। जहां भूमि पूजन के साथ पाइप लाइन का निर्माण प्रारम्भ किया गया। वही निजी भूमि वाले किसान भी वहां पहुंचे जिनके द्वारा उनकी भूमि में काम न करने की मांग की जा रही है। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा सरकारी भूमि पर अभी कार्य चल रहा है। वहीं, दूसरी ओर मुरा बाबा के पास धरना देने वाले किसान निर्माण प्रारम्भ होने की खबर की जानकारी पर विरोध में वे सब धरनास्थल को बदलकर मुख्य गेट से 100 गज पीछे टेंट लगा धरना पर बैठ गए। हालांकि, मुख्य गेट खुले रहे, जहा मजदूर के साथ अन्य काम करने वाले लोग आते-जाते रहे।

फिर से हो सकता है टकरावः बताया जा रहा है कि किसान काफी अपनी जमीन का व्यवसायिक मुआवजा मिले बिना प्रशासन के हर फरमान को दरकिनार कर रहे है। ऐसे में वाटन पाइप लाइन के निर्माण के दौरान जब सरकारी जमीन के बाद रैयतदारों की जमीन पर काम शुरू होगा तो किसान उसका मजबूती से विरोध कर सकते है। जिस कारण एक बार फिर से प्रशासन व स्थानीय किसानों के बीच टकराव की नौबत आ सकती है। पूर्व की घटनाओं को देखते हुए इस बार प्रशासन भी काफी फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहा है।

पॉवर प्लांट के निर्माण के साथ ही शुरू हो गया था विरोधः बता दें कि स्थानीय किसानों का यह विरोध नया नहीं है। बल्कि, पॉवर प्लांट के निर्माण के साथ ही यह विरोध शुरू हो गया था। किसान अपनी जमीन के लिए व्यवसायिक दर से मुआबजे की मांग कर रहे है। इसको ले पिछले दो वर्षों से अधिक समय से किसानों का आंदोलन जारी है। जबकि कई बार इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर समझौते के द्वारा मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया। लेकिन, सफलता नहीं मिल सकी है। समस्या निदान के लिए प्रयास जारी है।

एक नजर

ए साहेब, हमार लईकवा कहां बा...

बक्सर/केसठ। एक तरफ पुलिस कह रही है की पुलिस आपके सेवा में सदैव तत्पर लेकिन ये कितना हकीकत है, इसका खुलासा तब हुआ जब एक वृद्धा लखमुनिया देवी मंगलवार फरियाद ले कर एसपी कार्यालय बक्सर पहुंची। वृद्धा महिला का कहना है कि आज के दौर में न्याय पाना बहुत कठिन होता जा रहा है। महिला ने बताई कि मैं केसठ प्रखंड के खरवनियां गांव की रहने वाली हूं। मेरे पुत्र का नाम द्वारिका कुमार है। जिसकी उम्र लगभग 24 वर्ष है। नौ जनवरी को गांव के ही दो युवक उसे लेकर कमाने के लिए दूसरे प्रदेश गए थे। लेकिन, अगले ही दिन वे लौट आए। मेरे बेटे का कहीं पता नहीं चला। मैं बार-बार उनके दरवाजे पर जाती रही। मेरा बेटा कहां है, उसका क्या हाल है। लेकिन, वे सही जवाब नहीं दे रहे। मैं मदद के लिए पुलिस के पास भी गई। 16 जनवरी को मेरी शिकायत वहां दर्ज की गई। लेकिन, पुलिस अब तक कुछ नहीं की है। एक माह से अधिक का समय गुजर गया। थाने जाने पर वे लोग कहते हैं कि तुम्हारा बेटा मेरे पॉकेट में है क्या कि निकालकर दे दें। उनका जवाब मुझ बूढ़ी महिला को नागवार गुजरता है। मैं मजबूर होकर आज एसपी साहब से मदद मांगने आई हूं। साथ ही साथ महिला ने कहा की वो इस संदर्भ में नावानगर में थाने में दो लोगों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। लेकिन, अभी तक पुलिस को लापता युवक का कोई सुराग नहीं मिला। और न ही नामजदों से कोई पूछताछ कर रही है। पुलिस मेरे बेटे को खोजने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। महिला ने बताई की नामजद प्राथमिकी होने बाद भी आरोपी बाहर घूम रहे है और पुलिस सोई हुई है। अपने पुत्र की सकुलशल बरामदगी के लिए वृद्ध महिला थाने सहित वरीय अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर काट रही है। पीड़िता ने अपने पुत्र को खोज निकालने के लिए एसपी मनीष कुमार से गुहार लगाई है। अब देखना है कि एसपी से गुहार लगाने के बाद पुलिस क्या कार्रवाई कर रही है।

भारत रत्न उस्ताद के घर में सजेगी सुरों की महफिल

- बिस्मिल्लाह खां महोत्सव आज, एसडीएम ने कार्यक्रम स्थल राज हाई स्कूल मैदान का लिया जायजा
- भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खां की जयंति पर मनाया जा रहा है महोत्सव

केटी न्यूज/डुमरांव

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जयंति को बिस्मिल्लाह खां महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। पूर्व संध्या पर इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बुधवार की शाम उस्ताद की याद में राज हाई स्कूल के खेल मैदान में शूरो की सरिता बहेगी। मंगलवार को एसडीएम कुमार पंकज समेत कई अन्य अधिकारियों ने राज हाई स्कूल के खेल मैदान का जायजा ले तैयारी को परखा।

अनुमंडल प्रशासन इस आयोजन को खास बनाने जा रहा है। उनके जयंति को जिला प्रशासन ने डुमरांव सह बिस्मिल्लाह खां महोत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस महोत्सव में विश्व विख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के परिजनों के अलावे देश के नामी गिरामी कलाकार व संगीत घराने शामिल होंगे। सारा आयोजन जिला प्रशासन की तरफ से करवाया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने के लिए चार दिन पहले से ही राज हाई स्कूल के खेल मैदान में मंच निर्माण शुरू हो गया है। इस मैदान को दुल्हन की तरह सजाया गया है। डुमरांव एसडीएम कुमार पंकज ने बताया कि तैयारी पूरी हो गई है। एसडीएम ने बताया कि संध्या 4 से 6 बजे तक स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, जबकि 6 से साढ़े छह बजे तक महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन एवं भाषण का होगा। वही शाम साढ़े छह बजे से 9.30 बजे तक मुख्य समारोह होगा। एसडीएम ने कहा कि इस तरह के आयोजन से स्थानीय कलाकारों को अपने फन का जौहर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच मिलेगा। जो उनके भविष्य के लिए वरदान साबित होगा। इस समारोह में मगध संगीत डांस ग्रुप, नबेंदु भट्टाचार्य गजल, बिस्मिलाह खां के परिवार के सदस्यों का प्रदर्शन, बच्चा नसीम कौसर की कव्वाली एवं वॉलीवुड के गायक अल्ताफ राजा अपनी प्रस्तुति देंगे। साथ अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

गांजा तस्कर को 10 वर्ष की सजा, लगाया 50 हजार का अर्थदंड

बक्सर। एडीजे-4 विजेन्द्र कुमार की कोर्ट ने गांजा तस्करी के एक मामले में अभियुक्त जितेन्द्र धानुक को दस वर्ष की सजा सुनाने के साथ ही उस पर 50 हजार रूपए का अर्थ दंड भी लगाया है। अर्थ दंड नहीं देने पर उसकी सजा एक वर्ष बढ़ा दी जाएगी। मामला रेल थाना कांड संख्या 18/2022 का है। बता दें कि डुमरांव स्टेशन के पास आरपीएफ की टीम ने 25 फरवरी 2022 को भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना के बुढ़वा टोला गांव का रहने वाला जितेंद्र धानुक की बाइक से शक के आधार पर मोटरसाइकिल की डिक्की की जांच कर 9 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया था। उक्त मामले में कुल 6 गवाहों की गवाही को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त को 10 वर्षों के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपए का अर्थ दंड भी लगाया है।

फुटबॉल प्रतियोगिता में चैनपुर ने बक्सर को 2-1 से पराजित कर फाइनल में किया प्रवेश

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार को शहर के किला मैदान में स्व. शशि यादव की स्मृति में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णानंद सिंह उर्फ. छोटे सिंह ने गुब्बारा उड़ाकर किया। खिलाड़ियों, अतिथियों व आयोजकों ने मैच शुरू होने से पहले समवेत स्वर में राष्ट्रगान गाया। इसके बाद अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का विधिवत शुभारम्भ कराया। वही शशि यादव की स्मृति में 1 मिनट का मौन रखने के पश्चात बक्सर और चैनपुर कैमूर के बीच एक रोमांचक और संघर्षपूर्ण मैच खेला गया। जिसमें चैनपुर ने बक्सर को दो एक के अंतर से हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। प्रतियोगिता के संयोजक और स्वर्गीय शशि यादव के भतीजे दीपक यादव ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का दूसरा मैच खैराबाद और पटना के बीच खेला जाएगा। मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति प्रतिनिधि नियमतुला फरीदी, समाजसेवी राजेश यादव, रेडक्रॉस सचिव सरवन तिवारी, हिटलर कुशवाहा, वीरेंद्र यादव, राहुल यादव, राजू ठाकुर, प्रमोद कुमार सिंह, अखिलेश मंडल, अजहर खान, पीयूष यादव, पर्वत यादव, अजय यादव, श्याम जी यादव, मुख्य रेफरी में जोगिंदर सिंह सहायक रेफरी दिनेश, चंदन, जोगिंदर रहे।

कार से शराब की खेप बरामद, तस्कर फरार, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/सिमरी

एसपी मनीष कुमार के निर्देश पर मंगलवार की सुबह गंगौली के पास शराब तस्करों के टोह में रामदास राय के डेरा ओपी प्रभारी नमो नारायण राय की देखरेख में वाहन चेकिंग अभियान चला गया। अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने शराब लदी एक मारूती सूजुकी कार जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 44 क्यू 9131 को जब्त किया। कार की तलाशी लेने पर उसमें 8 पीएम ब्रांड 180 एमएल का 42 पेटी शराब मिला, जिसका कुल वजन 362.88 लीटर है। हालांकि पुलिस को देखते ही कुछ दूर पहले गाड़ी रोक तस्कर व चालक वाहन छोड़ अधेरे का फायदा उठा भाग निकले। पुलिस वाहन नंबर के आधार पर तस्करों की पहचान में जुट गई है। इस आशय की जानकारी डुमरांव एसडीपीओ अफाक अंसारी ने दी। उन्होंने बताया कि दियारा इलाके में सघन अभियान चलाते हुए तस्करों की धर-पकड़ के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

डुमरांव में फल विक्रेता के चंगुल से जान बचाकर भागा किशोर

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार को अपने ननिहाल डुमरांव आए सिकरौल थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले किशोर को एक फल विक्रेता द्वारा चार घंटे तक अपने कमरे में बंधक बनाए कर रखे जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में मंगलवार को किशोर के परिजन उसे लेकर पूछताछ करने डुमरांव पहुंचे। इस दौरान वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने फल विक्रेता को हिरासत में लेने के साथ ही किशोर से भी पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त 16 वर्षीय किशोर का ननिहाल डुमरांव के छठिया पोखरा पर है। रविवार को वह अपने मामा के घर आया था। इसी दौरान दिन के करीब 11 बजे वह हरिजी के हाता के पास घुम रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे ठेला पर फल बेचने वाले मो. समीर उसे बहला फुसलाकर अपने कमरे में ले गया तथा उसे बंधक बना लिया। बकौल किशोर उसे कमरे में बंद करने के बाद समीर तलवार दिखा उसे धमका रहा था तथा किसी को फोन पर यह बता रहा था कि लड़का कब्जा में आ गया है। करीब दो बजे फल विक्रेता थोड़ा लापरवाह हुआ तो किशोर बड़ी चालाकी से कमरे से बाहर निकल उसके दरवाजे को बाहर से बंद कर भाग निकला। यहां से निकल वह कोरानसराय स्थित अपने एक रिश्तेदार के घर पहुंचा। जहां से अपने घर गया तथा मंगलवार को परिजनों को लेकर आया था। हालांकि उसकी मंशा क्या थी यह किशोर को पता नहीं चल सका। फल विक्रेता के चरित्र को स्थानीय लोग संदिग्ध बता रहे है। ऐसे में इस घटना को ले कई तरह की चचाएं हवा में तैर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस गहराई से इसकी जांच कर रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। फल विक्रेता को हिरासत में ले पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले की गहरायी से जांच कर रही है।

विश्वामित्र हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राजीव कुमार झा के पुत्र है कृतिक राज

कृतिक को जेईई मेन में 99.44 पर्सेंटाइल, वैज्ञानिक बनने की है चाह

केटी न्यूज/बक्सर

होनहार वीरवान के होत चिकने पात..., इंजिनियरिंग की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित परीक्षा जेईई मेन में 99.44 पर्सेंटाइल अंक लाकर इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है बक्सर के चर्चित विश्वामित्र अस्पताल के डायरेक्टर व मशहूर चिकित्सक डॉ. राजीव कुमार झा के पुत्र कृतिक राज ने। कृतिक अभी आईएससी का छात्र है तथा अपीयरिंग में ही इस कठिन परीक्षा में बेहतर पर्सेंटाईल अंक लाकर यह साबित कर दिया है कि वह आने वाले समय में उच्च कोटि का वैज्ञानिक बनने को तैयार है। कृतिक की प्रारंभिक परीक्षा पटना के माउंट लिटरा स्कूल से हुई थी। वर्ष 2022 में प्रथम श्रेणी से मैट्रिक की परीक्षा पास करने के बाद वह प्लस टू की पढ़ाई के लिए वाराणसी चला गया। जहां के डीपीएस स्कूल से वह आईएससी की परीक्षा दिया है। इसी दौरान जेईई मेन की परीक्षा में उसने अपनी प्रतिभा का परचम लहरा पूरे परिवार को गौरवान्वित किया है। उसकी इस सफलता से पिता डॉ. आरके झा के साथ ही माता सुप्रिता झा सहित पूरा परिवार आह्लादित है। परिवार को सोशल मीडिया पर बधाईयां मिल रही है। लोग उसकी प्रतिभा की सराहना कर रहे है। मां ने बताया कि वह बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि का था तथा हमेशा अपनी कक्षा में औव्वल आता था। जबकि पिता की मानें तो कृतिक शुरू से ही उच्च कोटि का वैज्ञानिक बन देश की सेवा करना चाहता है। उन्होंने कहा कि कृतिक की प्रतिभा, लगन व मेहनत को देख उसके शिक्षक भी उससे काफी खुश रहते है। डॉ. झा की माने तो कृतिक बचपन से ही वैज्ञानिक बनने का सपना देखता था। जेईई मेन के परीक्षा परिणाम ने उसके सपनों को पंख लगा दिया है। उन्होंने बताया कि रिजल्ट जारी होने के बाद से ही लोग अस्पताल में आकर भी बधाई दे रहे है। डॉ. राजीव झा अपने पुत्र की सफलता से बेहद प्रसन्न नजर आ रहे थे।

जिला जज ने अधिकारियों के साथ बैठक कर राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों लिया जायजा

बक्सर। 9 मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज हो गई है। मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार आनंद नंदन सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक कर राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान बैंक प्रबंधनों के उदासीन रवैया पर जिला जज ने नाराजगी जताई और कहा कि इनका रवैया नहीं सुधरा तो डिस्प्लेंजर जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों के उदासीनता के चलते लोक अदालत के कई महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। जिस कारण राजस्व की वसूली बाधित हो रही है। बैठक में जिले के सभी विभागों के प्रतिनिधि व बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी निर्देश दिया गया कि इसे सफल बनाना है। जबकि न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार देवेश कुमार ने सभी विभागों के अधिकारियों से विधि सेवा सदन में तत्काल नोटिस की प्रति जमा करने को कहा ताकि पक्षकारों को समय से निर्गत किया जा सके। बैठक में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से पैनल अधिवक्ता विष्णुदत्त द्विवेदी, न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के पैनल अधिवक्ता शशि भूषण सिंह, विनोद कुमार सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के मनीष भास्कर, बीएसएनएल से राजकुमार के अलावा वन विभाग, नापतोल, परिवहन, बीमा कंपनी के अलावे अन्य कई विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में चार की मौत

- घर का मांगलिक माहौल मातम में बदला, परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल
- यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर जताया दुःख

केटी न्यूज/ नागर

बलिया के नागर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोठाई तिलकारी गांव के पास सोमवार की देर रात ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर की आमने सामने टक्कर में चार लोगों की मौत हो गयी। इसमें दो मृतक जिले के एक ही गांव के रहने वाले हैं, जबकि दो मऊ जनपद के निवासी हैं। हादसे के बाद से मृतकों के गांव घर में कोहराम मचा है। दो परिवारों में तो मांगलिक माहौल था, जहां हादसे ने करूण-क्रंदन व चीत्कार मचा दिया है। वहीं, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। बताया जा रहा है कि गडवार थाना क्षेत्र के कुरेजी गांव के पास मकान की ढलाई के बाद मऊ जनपद के मजदूर ढलाई करने वाली मशीन के साथ ट्रैक्टर से घर लौट रहे थे। सोमवार की देर रात नगरा थाना क्षेत्र के गोठाई तिलकारी मोड़ पर बाइक में टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर पलट गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे चार लोगों को किसी तरह से बाहर निकाल गया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से भी का जिला अस्पताल पहुंचया। जहां चिकित्सकों ने शैलेंद्र राजभर (25) पुत्र राज बहादुर (निवासी खनवर, नगरा बलिया), बंटी राजभर (26) पुत्र राम आश्रम राजभर (निवासी खनवर, नगरा बलिया) तथा मऊ जनपद के हलधरपुर थाना क्षेत्र के गहना निवासी शिवदरस (52) व नक्षत्र (50) को मृत घोषित कर दिया। यह समाचार मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन अपनों का शव देख दहाड़े मारने लगे। मिली जानकारी के अनुसार नगरा थाना क्षेत्र के खनवर निवासी शैलेंद्र राजभर तथा विवेक उर्फ बंटी राजभर बलिया के देवधियां से एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर से लौट रहे थे। तभी वह हादसा के शिकार हो गये। दोनों की मौत हो गई। इस हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। दोनों युवकों के घर एक पखवाड़े के भीतर ही मांगलिक कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। घर में तैयारियां भी जोरशोर से शुरू हो गई थी। लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। पल भर में खुशियां मातम में तब्दील हो गई। रूदन–क्रंदन देख उपस्थित लोगों की आंखें भी बरबस ही नम हो जा रही थी। किसी को यह विश्वास नहीं था यह घटना होगी।

वाहन की चपेट में आने से बेटे की मौत, मां जख्मी

बलिया। गड़वार थाना क्षेत्र द होराइजन स्कूल के पास मंगलवार की दोपहर बाइक सवार मां -बेटे की अज्ञात वाहन की चपेट में आ गके। जिसमें बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक सवार की माँ गम्भीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार तेतरी देवी 75 वर्ष अपने बेटे रामबली राम उर्फ आरपी टेलर 55 वर्ष निवासी बरवांरत्ती चट्टी थाना भीमपुरा के साथ जिला कोषागार में किसी काम से आई हुई थी। जहां से घर लौटते समय बलिया-गड़वार रोड स्थित द होराजन स्कूल के पास विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें माँ-बेटे गम्भीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घायल मां-बेटे को देखने वालों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लेकिन किसी ने भी घायलों को अस्पताल नहीं भेजवाया। जबकि नगरा की ओर से ड्यूटी से लौट रहे एक युवक ने तत्काल दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने बेटे रामबली को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल तेतरी देवी का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए और दहाड़े मारकर रोने लगे।

लॉज की सीढ़ी पर मिली युवक की लाश, सनसनी

- गड़वार चौराहे पर परिजनों व ग्रामीणों ने लगाया है जाम
- ढाई घण्टे बाद हल्का बल का प्रयोग कर पुलिस ने जाम कराया समाप्त

बलिया। गड़वार कस्बा अंतर्गत एक लॉज की सीढ़ी पर मंगलवार की दोपहर एक युवक का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। उधर सूचना मिलते ही मुकामी पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की शिनाख्त गड़वार थाना क्षेत्र के बाराबान्ध निवासी सुमित कुमार यादव उर्फ राहुल 18 वर्ष पुत्र देवेंद्र यादव उर्फ मुन्ना के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बलिया-गड़वार मार्ग को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही सीओ सिटी एसएन वैभव पांडेय सहित गड़वार, नगरा, फेफना, सुखपुरा व रसड़ा की फोर्स सहित पीएसी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों से वातार्लाप शुरू किया। परिजनों का आरोप था कि बिना शव को दिखाएं पुलिस पोस्टमार्टम के लिए क्यों भेज दिया। उसे लाकर हम लोगों को दिखाया जाए। अंततः पुलिस ने करीब ढाई घंटे बाद हल्का बल का प्रयोग कर जाम समाप्त किया। सूत्रों की माने तो पुलिस ने युवक के प्रेमिका व उसके पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इसके अलावा विभिन्न बिंदुओं पर फॉरेंसिक टीम एवं पुलिस जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार सुमित बिहार के पटना में अपने जियाजी के कंस्ट्रक्शन में काम करता था जो दो दिन पूर्व गांव पर आया हुआ था। पीड़ित परिवार की माने तो सोमवार की रात सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने कमरे में चले गए। सुमित भी अपने कमरे में चला गया। मंगलवार की सुबह जब लोगों की नींद खुली तो देखा कि सुमित अपने कमरे में नहीं है और उसकी बाइक भी नहीं है। फिर युवक की बहन ने अपने पड़ोसी, युवक के मित्रों और रिश्तेदारों के यहां फोन कर पूछताछ किया। लेकिन उसका कोई अता-पता नहीं चल सका। इस दौरान किसी ने बहन को फोनकर सुमित के बारे में गड़वार कस्बा के एक लॉज में खून से लथपथ होना बताया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक नजर

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

चंदौली। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली चन्दौली के नेतृत्व में मंगलवार को कोतवाली चन्दौली पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस ने शातिर अभियुक्त ऋतिक केशरी पुत्र दुर्गा प्रसाद केशरी निवासी वार्ड नं0 14 लोहिया नगर चन्दौली को बिछिया अण्डर पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। टीम में प्रभारी निरीक्षक गगन राज सिंह, निरीक्षक दयाराम गौतम, एसआई अमित कुमार मिश्रा, नीरज सिंह शामिल रहे।

शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर युवक की मौत

गाजीपुर। गोरखपुर -वाराणसी रेल खंड पर सादात रेलवे स्टेशन के पास शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची सादात पुलिस ने घटना स्थल जीआरपी औड़िहार में होने के कारण जीआरपी को सूचित किया। पुलिस ने मृत युवक की जेब से मिले आधार कार्ड और पैन कार्ड के आधार पर उसकी शिनाख्त अब्बास मेंहदी पुत्र मोहम्मद मेंहदी निवासी हल्दौर थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में की। मृतक की जेब से पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र भी बरामद कर लिया गया है गोरखपुर- वाराणसी रेलमार्ग पर रन थ्रू जाने वाली शालीमार एक्सप्रेस सोमवार को देर शाम सादात रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो से गुजर रही थी। स्टापेज न होने के कारण ट्रेन धीमी गति से जा रही थी। उसी दौरान युवक चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में नीचे गिर पड़ा और चलती ट्रेन के पहिए के नीचे आने से उसका सिर कुचल गया। जिससे उसकी मौत हो गई। राजकीय रेलवे पुलिस औड़िहार के चौकी इंचार्ज विश्व दीपक यादव ने बताया कि मृतक के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेंज दिया गया है।

आरक्षी से असलहा छीनने वालों को मिली जमानत

चंदौली। पुलिस आरक्षी अमित कुमार चौरसिया से असलहा छीनने का प्रयास करने व सरकारी काम में बाधा के दो आरोपियों की अग्रिम जमानत को स्पेशल कोर्ट एससी-एसटी एक्ट की अदालत ने मंगलवार को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 50-50 हजार रुपये के व्यक्तिगत बंधपत्र एवं समान धनराशि की दो-दो प्रतिभू पर अग्रिम जमानत दी है। उक्त मामले में बचाव पक्ष की ओर से डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार एसोसिएशन के महामंत्री अधिवक्ता झन्मेजय सिंह ने कोर्ट के समक्ष तथ्य एवं तर्क प्रस्तुत किया। उन्होंने सुनवाई के दौरान कोर्ट को अवगत कराया है कि इस मामले में जिला जेल में निरूद्ध दो आरोपियों राजेश सिंह व संतोष सिंह की जमानत को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत पहले ही स्वीकार कर चुकी है। आरोपी राजीव सिंह उर्फ राजू सिंह व अभिषेक सिंह का चंदौली थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या-31/2024 से कोई वास्ता नहीं है। उन्हें मनगढंत कथानक के आधार पर फंसाया गया है। आरोपियों का पूर्व का कोई दोषसिद्ध आपराधिक इतिहास नहीं है। उन्होंने समान प्रकृति के रूलिंग का हवाला देते हुए कोर्ट से आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार किए जाने का आग्रह किया।

डीएम व एसपी ने आमजन की सुनी फरियाद

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे और एसपी डा. अनिल कुमार ने मंगलवार को सदर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस में आमजन की फरियाद सुनी। इस दौरान फरियादी सबसे ज्यादा भूमि विवाद से सम्बन्धित समस्या लेकर पहुंचे। जिनकी सुनवाई करते हुए राजस्व विभाग को निस्तारण के लिए कहा गया। फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जन शिकायतों की निष्पक्ष जांच करके विधिक निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को कहा। प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समय से निस्तारण करने तथा जिन प्रार्थना पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है। उन पर रिपोर्ट लगाकर संबंधित अधिकारी को प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया। शिकायतों के निस्तारण लिए टीमों को मौके पर पहुंचने लिए रवाना किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के सभी क्षेत्राधिकारी की ओर से अपने-अपने क्षेत्र की तहसीलों में उपस्थित रहकर जनशिकायतों का निस्तारण कराया। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए कुछ का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा कुछ प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक चन्दौली द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में जमीन व राजस्व से सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण की जांच व निस्तारण किया जा रहा। जिससे फरियादियों को भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो।

तीन पशु तस्कर सहित गैंग लीडर पर हुई गैंगेस्टर की कार्रवाई

चंदौली। पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार के निर्देश पर संगठित और पेशेवर अपराधी पशु तस्करों के खिलाफ अभियान चलाकर गैंगेस्टर की कार्रवाई की जा रही है। सकलडीहा कोतवाली पुलिस ने गैंग लीडर सहित तीन पशु तस्कर के खिलाफ गैंगेस्टर की कार्रवाई किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से पशु तस्करों में खलबली मची है। कोतवाली पुलिस ने जौनपुर जनपद के चंदवक थाना के ग्राम हीरापुर मचहटी अजय मौर्या, व गाजीपुर जनपद के थाना विरनों निवासी ग्राम विरनों रामअवध कुशवाहा और चंदवक थाना के मुसाफिर मौर्या के खिलाफ गैंगेस्टर की कार्रवाई किया है। पूर्व मे गैंगलीडर सहित पशु तस्करों के खिलाफ गोवध अधिनियम और उप्र गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा कोतवाली में दर्ज है। कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने बताया कि लगातार पशु तस्करों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। साथ ही स्थानीय लोगों की मदद भी ली जा रही है। यह प्रयास किया जा रहा है कि ऐसे तस्करों के मनसुबों पर पानी फेरा जा सके। इसके लिए संभव प्रयास किया रहा है।

गंगा को स्वच्छ, अविरल बनाने में मछलियों का महत्वपूर्ण योगदान

केटी न्यूज/चंदौली

बलुआ स्थित पश्चिम वाहिनीं गंगा तट पर मंगलवार को रिवर रैचिगं एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत गंगा को स्वच्छ रखने व निषाद समाज के रोजगार के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सैयदराजा विधायक सुशील सिंह ने भारतीय मेजर कार्प मत्स्य प्रजाति की दो लाख अगुलिका मछलियां गंगा में छोड़ी। तत्पश्चात गंगा को अविरल रखने व निषाद समाज के हित के लिए आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित किया। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक सुशील सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने निषाद समाज के विषय मे गहराई से सोचकर इस योजना को लाये। मत्स्य पालन निषाद समाज के साथ -साथ अन्य लोगों के लिए बहुत बडा रोजगार साबित हो रहा है। आज गंगा नदी मे दो लाख मछलियां छोड़ी जा रही है। जो गंगा नदी को स्वच्छ एवं अविरल बनाये रखने में सहायक होगी। ऐसी तमाम योजनाएं है। जो हमारे समाज को विकास की ओर ले जा रही है। गंगा इस देश की धरोहर है जिन्हें साफ स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एसएन श्रीवास्तव, उपनिदेशक मत्स्य विभाग वाराणसी अनिल कुमार, सहायक निदेशक रविन्द्र प्रताप, विकास मिश्रा, डा, दीपक चौधरी, अनिल निषाद, अरविंद सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। संचालन अमृत चौरसिया ने किया।

इंटर कॉलेज उतरौली का 41वां वार्षिकोत्सव समारोहपूर्वक मना

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक क्षेत्र के इंटर कॉलेज उतरौली का मंगलवार को 41वां वार्षिकोत्सव समारोहपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं की ओर से विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। जिसे देख मौजूद आगंतुक व अन्य लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जमानियां विधायक ओमप्रकाश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि दिन पर दिन कंप्टीशन बढ़ता जा रहा है। इसलिए लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी ही पड़ेगी। कहा कि बेटियां भी आज के दौर में बेटों से किसी क्षेत्र में कम नहीं है। बेटियां अपने प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में समाज व देश का नाम रौशन कर रहीं है। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि बेटियां शिक्षा के बल पर मजबूती के साथ अपनी बात कहने का काम कर रही हैं। इस विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में जो मुकाम हासिल किया है वह प्रशंसनीय है। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारी बेटियां शिक्षा से लेकर राजनीति, खेल, सांस्कृतिक ,नौकरी, विज्ञान आदि क्षेत्रों में अपना परचम लहरा अपने माता पिता का नाम देश में रौशन कर रही है। इस दौरान विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि सहित आए अन्य आगंतुकों को स्मृति चिन्ह व शाल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मन्नू सिंह, लादू सिंह , प्रधानाचार्य अरुण कुमार पांडेय, प्रबंधक राजनारायण सिंह, केशरी, उत्तम सिंह, विनोद पांडेय, दिनेश चंद पांडेय, प्रधान प्रेमशंकर सिंह, हृदयनारायन पांडेय आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश पांडेय ने किया।

करौदी में कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन आज

चंदौली। मिशन रोजगार के अन्तर्गत कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन 21 फरवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, करौदी, वाराणसी परिसर में प्रातः 10 किया गया है। कैम्पस प्लेसमेंट में हीरो मोटोकॉप जैसी दिग्गज कम्पनियों द्वारा पुरुष व महिला अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। जिसमें प्रशिक्षार्थी की योग्यत्ता इंटरमीडिएट एवं आईटीआई होनी चाहिए। इसके साथ अभ्यर्थियों की आयु 18 से 24 वर्ष के बीच होनी अनिवार्य है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की हुई समीक्षात्मक बैठक

अस्थायी गर्भ निरोधकों का करें प्रयोग : सीएमओ

केटी न्यूज/मऊ

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत शहरी स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नंदकुमार की अध्यक्षता में सीएमओ सभागार में संपन्न हुई। सीएमओ डॉ नंदकुमार ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ सेवाएं मिल सके। इसके लिए नियमित आकलन और समीक्षा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। सभी चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि अस्थाई साधन खासकर तिमाही गर्भ निरोधक इंजेक्शन, साप्ताहिक गर्भ निरोधक गोली छाया, आईयूसीडी की सेवाओं को और अधिक बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने स्थाई साधन में महिला और पुरुष नसबंदी के लिए भी लक्षित दंपति को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध कंडोम बॉक्स में पर्याप्त मात्रा में कंडोम उपलब्ध सुनिश्चित करने की बात कही। परिवार नियोजन के नोडल जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. बीके यादव ने बताया प्रत्येक नागरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रत्येक दिन टीकाकरण की सूचना मोहल्ले में और कस्बे में प्रचारित प्रसारित की जाए, साथ ही इसकी जानकारी देने वाला एक बैनर टांग कर उस जगह पर बैठकर टीकाकरण सत्र चलाया जाए। स्वास्थ्य केंद्रों पर होने वाली एक्टिविटी जैसे हर गुरुवार को अंतराल दिवस, प्रत्येक माह की 21 तारीख को खुशहाल परिवार दिवस, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों पर किशोर स्वास्थ्य दिवस हर माह की 8 तारीख को मनाया जा रहा है। इसकी विस्तृत जानकारी साझा की गई। पीएसआई इंडिया के आर्थर केवल सिंह सिसोदिया ने कहा कि आने वाले दिनों में शहरी परिवार नियोजन कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए किये जा रहे है।

50 करोड़ से भी ज्यादा है दुनिया के सबसे महंगे पेन की कीमत

पेन, यह एक ऐसी चीज है जो हर व्यक्ति अपने स्कूल के दौर से लेकर जिंदगी भर इस्तेमाल करता है। हालांकि, पेन के इस्तेमाल में भी लोगों की पसंद अलग-अलग होती है। किसी को बॉल पेन से लिखना पसंद होता है तो कोई जेल पेन का इस्तेमाल करता है। वहीं कुछ लोगों को इंक पेन से लिखने की आदत होती है। पेन की कीमतों की बात करें तो कोई भी व्यक्ति अगर इसका इस्तेमाल करेगा तो ज्यादा से ज्यादा वह 500 रुपए तक की कीमत पर जाएगा। लेकिन अगर कोई आपसे कहे कि इस दुनिया में करोड़ों रुपए की कीमत का भी एक पेन है, जो सबसे महंगा है तो जाहिर सी बात है कोई भी हैरान रह जाएगा।
यह कोई मजाक नहीं है बल्कि वाकई में सच है क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे पेन के बारे में बताते हैं, जिनकी कीमत सुनकर किसी के भी होश उड़ सकते हैं और इनमें से एक पेन तो ऐसा है जो 50 करोड़ से भी ज्यादा का है। वहीं कई ऐसे पेन भी है जिन्हें खरीदने के लिए किसी भी व्यक्ति को अपनी जेब से करोड़ों रुपए खर्च करने होंगे। चलिए आज दुनिया के सबसे महंगे पेनों के बारे में जानते हैं।

फुल्गोर नॉकटर्नस

सबसे महंगे पेन की लिस्ट कि अगर बात करें तो यह पेन सबसे ऊपर आता है। इसे खरीदने के लिए किसी को भी 8 मिलियन डॉलर यानी 65 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने होंगे। साल 2010 में शंघाई में इसकी नीलामी 8 मिलियन डॉलर में की गई थी। इसे बनाने में काले हीरे और सोने का इस्तेमाल किया गया है।

बोहेम रॉयल

इस पेन का निर्माण लग्जरी पर निर्माता कंपनी मोंटब्लैंक ने किया है। इसे बनाने में 18 कैरट सफेद सोने का इस्तेमाल किया गया है और इसके ऊपरी हिस्से पर कई सारे हीरे लगे हुए हैं। इसकी कीमत 1.5 मिलियन डॉलर यानी की 12 करोड़ रुपए है और यह देखने में बहुत ही शानदार है।

ऑरोरा डायमांटे

महंगे पेन की लिस्ट में इसका नंबर तीसरा है। इसमें ठोस प्लैटिनम बैरल के साथ 30 कैरेट का हीरा जड़ा हुआ है। इसकी कीमत 1.28 मिलियन डॉलर यानी की 10 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है।

1010 डायमंड फाउंटेन पेन

लिमिटेड एडिशन वाला यह पेन ढेर सारे हीरे के साथ 18 कैरेट सफेद सोने से बनाया जाता है। इसे खरीदने के लिए किसी को भी एक मिलियन डॉलर यानी की 8 करोड़ से ज्यादा खर्च करने होंगे।

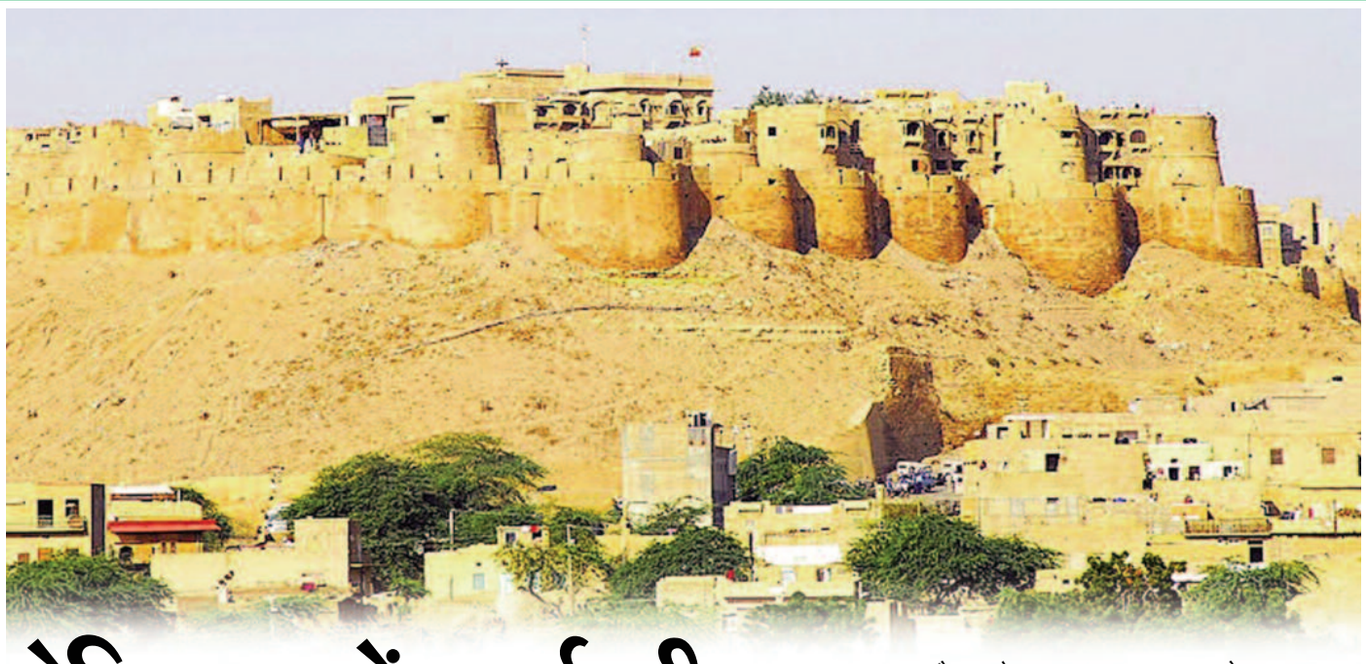

रेगिस्तान में स्वर्ण की तरह नजर आता है सोनार किला
900 साल पुराना है इतिहास

राजस्थान भारत का एक ऐसा राज्य है जो आने वाले अतिथियों का स्वागत बहुत ही हर्षोल्लास के साथ करता है। पधारो म्हारा देश के साथ हर किसी का अभिनंदन करने वाला यह राज्य अपने बड़े-बड़े महलों, राजसी ठाट बाट, पहनावे, खाने और बोली के लिए पहचाना जाता है। यहां पर घूमने के लिए कई सारी ऐतिहासिक इमारतें मौजूद है, जहां पर दूर-दूर से पर्यटक पहुंचते हैं। ना सिर्फ देशी बल्कि विदेशी पर्यटकों के बीच भी राजस्थान काफी प्रसिद्ध है।
अपनी खासियतों की वजह से दुनिया भर में पहचाना जाने वाला राजस्थान खूबसूरती के मामले में अच्छी अच्छी जगह को पीछे छोड़ देता है। जब आपके यहां के एक खूबसूरत किले के बारे में बताते हैं जो रेगिस्तान के बीच में किसी स्वर्ण की तरह दिखाई देता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह 900 साल पुराना है।

खूबसूरत है सोनार किला

खूबसूरत सा सोनार किला राजस्थान के जैसलमेर में मौजूद है। जैसलमेर की नींव रखे जाने और इस किले का निर्माण किए जाने का समय एक ही है। यह किला ऐसी जगह बना हुआ है कि शहर के हर कोने से दिखाई देता है। इसे बलुआ पत्थरों से तैयार किया गया है और सूर्यास्त के समय यह सोने की तरह चमकता है।

इस किले में चार बड़े-बड़े दरवाजे लगे हुए हैं जो पोल के नाम से पहचाने जाते हैं। यह सूरज पोल, हवा पोल, गणेश पोल और अकाई पोल के नाम से पहचाने जाते हैं। यहां हर पोल पर तोप भी लगी हुई है। इसके अलावा यहां सलाम सिंह की हवेली पतवों की हवेली और इस तरह की अलग-अलग हवेली मौजूद है। यहां पर वास्तुकला का शानदार नमूना देखने को मिलता है। किले के अंदर 12वीं से 15वीं शताब्दी के बीच बनाया गया जैन मंदिर भी मौजूद है।

कब हुआ था निर्माण

जैसलमेर के इस किले का निर्माण 1156 में राजा रावल द्वारा करवाया गया था। 13वीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिलजी ने इस पर हमला किया और 9 साल तक कब्जा बनाए रखा। इसके बाद 1551 में एक बार फिर अमीर अली ने हमला किया। मुगलों के साथ संबंध सुधारे जा सके इसके लिए रावल ने 1570 में अकबर के साथ अपनी बेटी की शादी कर दी। 1762 तक ये किला मुगलों के कब्जे में रहा और इसके बाद महारावल मूलराज ने इस पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया।

रेगिस्तान का सबसे बड़ा किला

यह किला रेगिस्तान में मौजूद है और दुनिया भर में रेगिस्तान में मौजूद सबसे बड़ा किला कहलाता है। इसके परिसर में 400 घर बने हुए हैं जहां पर 1200 लोग रहते हैं। यहां पर कई सारी दुकान मौजूद है जहां पर स्थानीय लोग हस्त शिल्प के सामान बनाकर बेचते हैं। मध्यकाल में भी यहां पर दुकान लगा करती थी। अगर आप जैसलमेर के रेतीले मैदान पर मौजूद शानदार किले को देखना चाहते हैं तो गर्मियों के मौसम में यहां जाने का प्लान कभी भी मत बनाइए। यहां पर घूमने का सही समय अक्टूबर से लेकर मार्च के बीच का होता है। सर्दी का मौसम होने की वजह से दोपहर के वक्त यहां गर्मी कम लगती है। आप यहां पर रेल, सड़क और हवाई किसी भी मार्ग से आसानी से पहुंच सकते हैं।

ये है धरती का सबसे पुराना पेड़
महाभारत से पहले का है इसका इतिहास

इस दुनिया में एक नहीं बल्कि कई सारी गजब की जगह और चीज मौजूद है जो लोगों को हैरान कर देती है। पेड़ हम इंसानों के लिए कितने जरूरी हैं यह बात तो सभी जानते हैं। अगर इस धरती पर पेड़ नहीं होंगे तो इंसान का जीना संभव नहीं है।

दुनिया में कई ऐसी चीज मौजूद है जो अपनी खासियतों से लोगों को हैरान कर देती है। आज हम आपको धरती के सबसे पुराने पेड़ के बारे में बताते हैं।

जब भी पुराने पेड़ों की बात निकलती है तो अक्सर लोगों को बरगद का पेड़ याद आता है। लोग यही कहते हैं की बरगद के पेड़ सालों साल जीते हैं और यह सबसे पुराने होते हैं। लेकिन आज हम आपको इस दुनिया के सबसे पुराने पेड़ के बारे में बताते हैं जो हजारों साल पुराना है। दुनिया के इस सबसे पुराने पेड़ की बात करें तो यह चिली में पाया गया है, जो लगभग 5000 साल से ज्यादा पुराना है। साइप्रस ट्री के नाम से पहचाने जाने वाला यह पेड़ ग्रेट ग्रैंडफादर के नाम से प्रसिद्ध है। वैज्ञानिकों ने इसलिए नाम इसलिए दिया है क्योंकि यह धरती पर मौजूद सबसे पुराना पेड़ है।

कितने साल का है पेड़

इस पेड़ की उम्र की बात करें तो यह 5484 साल का है, लेकिन कुछ लोग बताते हैं कि यह 6000 साल से ज्यादा पुराना है। यह 13 फिट चौड़ा और 28 मीटर लंबा है। इस पर लगातार शोध चल रहा है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिरकार इसने जलवायु परिवर्तन के साथ खुद को किस तरह से अनुकूल रखा।

हासिल किए ये खिताब

ग्रेट ग्रैंडफादर पेड़ चिली के एलर्स कोस्टेरो नेशनल पार्क में मौजूद है। जिस कैलिफोर्निया के पाइन पेड़ को हराकर सबसे पुराना पेड़ होने का किताब अपने नाम किया है। धरती के इस सबसे पुराने पेड़ में लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अक्सर लोग इसे देखने के लिए पहुंचते हैं।

12 साल में एक बार खिलता है ये फूल

दुनिया भर में अनेक प्रकार के फूल पाए जाते हैं। हर फूल का अपने आप में खास महत्व है। हर फूल की अपनी अलग खुशबू और पहचान होती है। फूल भला किसे नहीं पसंद होता, फूल एक ऐसी चीज है जो सभी को पसंद होती है। जैसे गुलाब, गेंदा, कमल, चमेली, सूरजमुखी इन फूलों के बारे में तो सभी जानते हैं, सभी ने अपने जीवन में इन फूलों को कभी ना कभी जरूर देखा होगा और इनकी खुशबू को भी जरूर महसूस किया होगा।
लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक फूल ऐसा भी है जो 12 साल में सिर्फ एक बार खिलता है। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने, इस फूल का नाम नीलकुरिंजी है। नीलकुरिंजी फूल एक ऐसा फूल है, जो दुनिया भर के दुर्लभ फूलों की श्रेणी में आता है।

कहां पाया जाता है यह फूल

यह फूल भारत के केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों के शोला जंगलों में पाया जाता है। नीलकुरिंजी फूल का वैज्ञानिक नाम स्ट्रोबिलैंथेस कुंथियाना है।

क्या है इस फूल की खासियत

नीलकुरिंजी फूल की एक खासियत यह है कि यह फूल 12 साल में एक बार खिलता है। इस फूल का रंग नीला होता है और यह फूलों की एक बड़ी चादर की तरह फैला हुआ होता है। नीलकुरिंजी फूल की खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है।
नीलकुरिंजी फूल को स्थानीय भाषा में कुरिंजी भी कहा जाता है। नीलकुरिंजी फूल के खिलने के समय इन जंगलों में एक अलग ही दृश्य देखने को मिलता है ये फूल पहाड़ों को नीले रंग से भर देते हैं। नीलकुरिंजी फूल की खूबसूरती को देखने के लिए हर साल लाखों पर्यटक इन जंगलों में आते हैं।

नीलकुरिंजी का फूल तोड़ नहीं सकते?

नीलकुरिंजी का फूल नहीं तोड़ सकते। नीलकुरिंजी एक दुर्लभ फूल है जो 12 साल में एक बार खिलता है। यह फूल केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के शोला जंगलों में पाया जाता है। यह फूल शोला जंगलों की आरोग्य का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। जब नीलकुरिंजी खिलती है, तो इसका मतलब है कि शोला जंगल स्वस्थ हैं और उनमें पर्याप्त पानी है।
नीलकुरिंजी के फूलों को तोड़ने से शोला जंगलों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा, नीलकुरिंजी के फूलों को तोड़ना एक कानूनी अपराध भी है। केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों में नीलकुरिंजी के फूलों को तोड़ने पर जुर्माना या जेल की सजा हो सकती है इसलिए, नीलकुरिंजी के फूलों को तोड़ने से बचना चाहिए। हमें इन फूलों की सुंदरता का आनंद लेना चाहिए और उन्हें सुरक्षित रखना चाहिए। नीलकुरिंजी के फूलों को तोड़ने के बजाय, हम इन फूलों की सुंदरता को कैमरे में कैद कर सकते हैं। हम इन फूलों के बारे में लोगों को जागरूक भी कर सकते हैं और उन्हें इन फूलों की सुरक्षा के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं
अपने पैरों से स्वाद लेती है तितली

तितली..नाम सुनते ही आंखों के सामने ढेर सारे रंग झिलमिला जाते हैं। अपनी रंग और सौंदर्य से आकर्षित करने वाली तितली की जीवन यात्रा भी बेहद दिलचस्प है। एक अंडे से निकला कैटरपिलर जिसे लार्वा कहते हैं। ये पौधे की पत्तियों को खाकर बड़ा होता है। फिर इसके चारों ओर कड़ा खोल बन जाता है जिसे प्यूपा कहा जाता है। कुछ समय बाद प्यूपा को तोड़कर निकलती है तितली।

तितली उड़ी..उड़ी चली
तितली..जिसका दिमाग बहुत तेज़ होता है। साथ ही इसकी देखने, सूंघने, स्वाद चखने और उड़ने के साथ अलग अलग जगहों को पहचानने की क्षमता भी अद्भुत है। फूलों के साथ इसका बहुत ही खास रिश्ता है। ये फूलों से पराग चूसकर अपना पेट भरती है। इसी के साथ ये परागण की वाहक भी होती है। अपनी वयस्क उम्र में आने के बाद ये सामान्यतया उसी पौधे के पास वापस आ जाती है, जहां इसने अपना शुरुआती समय बिताया होता है।
तितली का जीवनकाल 30 से 45 दिन का होता है। दुनियाभर में तितलियों की हजारों प्रजातियां पाई जाती है और अब तक सबसे तेज उड़ने वाली तितली की पहचान जायंट बर्डविंग के रूप में हुई है जो सोलमन आईलैंड पर पाई जाती है। तितलियों की कई विशेषताएं होती हैं और आज हम आपको इस सुंदर जीव के बारे में कुछ रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं।
तितलियों के बारे में रोचक तथ्य

- आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि तितली पैरों से अपने खाने का स्वाद लेती है। उनकी स्वाद ज्ञानेंद्री उनके पैरों में होती है। अब तक संभवत: तितली ही दुनिया की ऐसी प्रजाति पहचानी गई है, जो पैरों से स्वाद ग्रहण करती है।
- मादा तितलियां नर तितलियों की तुलना में बड़ी होती है। इनका आकार बड़ा होता है और ये हमेशा पत्तियों पर अंडे देती हैं।
- तितली में सुनने की क्षमता नहीं होती है। लेकिन वो वाइब्रेशन महसूस कर सकती है।
- इसी तरह वो सूंघने के लिए नाक नहीं बल्कि अपने एंटीना का उपयोग करती है। तितली के सिर पर लगे एंटीना से वो किसी भी वस्तु की गंध का पता लगाती सकती है।
- आप इसके साइज पर मत जाइये। इतना छोटी होने के बावजूद ये करीब 17 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ सकती है।
- कई तरह के शोध के पात पता लगाया गया है कि तितलियां भविष्य देख सकती है। इसका अर्थ ये है कि वो एक दिन पहले ही अगले दिन के मौसम का अंदाजा लगा सकती है।
- इस छोटे से कीट में इतनी खूबियां है जिनका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। एक तितली का आंख में 6000 लैंस होते है और ये पराबैंगनी किरणों को देख सकती हैं जिन्हें इंसान भी नहीं देख सकते।
- तितली के रंग बिरंगे पंख हमें सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तितली की पीठ पर असर में चार पंख होते हैं। असर में तितली के पंख पारदर्शी होते हैं। लेकिन हमारी आंखों को उसमें जो रंग और पैटर्न दिखता है उसकी वजह है तितली के पंखों के ऊपर बनी पतली परत, जो प्रकाश के परावर्तन से बनती है।
- तितलियां ठंडे खून वाली प्राणी होती हैं। ये तभी उड़ सकती हैं जब उनके शरीर का तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो। और क्योंकि इनका खून ठंडा होता है इसलिए ये अपने शरीर के तापमान को कंट्रोल नहीं कर पाती है और कम तापमान में वो उड़ भी नहीं पाती है।
- वैज्ञानिक शोध के अनुसार कई वयस्क तितलियां अपने भोजन को पूरी तरह से पचा लेती हैं। इनके शरीर से किसी तरह का अपशिष्ट बाहर नहीं निकलता है।

संक्षिप्त समाचार

विभोर स्टील ने शेयर बाजार में ली शानदार एंट्री, निवेशको हुआ जबरदस्त लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टिंग का दौर जारी है। आज शेयर बाजार में स्टील पाइप निर्माता विभोर स्टील ट्यूब्स के स्टॉक लिस्ट हुए हैं। कंपनी के शेयर 151 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 181 प्रतिशत के भारी प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। स्टॉक ने एनएसई पर निर्गम मूल्य से 181.46 प्रतिशत चढ़कर 425 रुपये पर शुरुआत की। वहीं, बीएसई पर कंपनी के शेयर 421 रुपये पर शुरुआत की। यह निर्गम मूल्य से 178.81 प्रतिशत की तेजी को दर्शाता है। बाद में, यह 192.72 प्रतिशत बढ़कर 442 रुपये पर पहुंच गया। सुबह के कारोबार में बीएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 838.14 करोड़ रुपये रहा। आज सुबह के सत्र में बीएसई सेंसेक्स बेंचमार्क 88.40 अंक या 0.12 प्रतिशत बढ़कर 72,796.56 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 15 अंक की मामूली बढ़त के साथ 22,122.10 पर है। पिछले हफ्ते विभोर स्टील ट्यूब्स के आईपीओ को संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली थी। आईपीओ के अंतिम दिन लगभग संस्थागत निवेशकों ने 300 गुना सब्सक्राइब किया था। हरियाणा स्थित विभोर स्टील ट्यूब्स की आईपीओ में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों को खोला था। यह बुक-बिल्डिंग रूट के माध्यम से 72.17 करोड़ रुपये तक के निर्गम आकार तक पहुंच गया। कंपनी इश्यू से जुटाए राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

सुप्रीम कोर्ट का स्पाइसजेट को निर्देश, कहा- क्रेडिट सुइस को 15 मार्च तक दें बकाया 12.5 लाख डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने किफायती विमानन कंपनी स्पाइसजेट को क्रेडिट सुइस मामले में 15 मार्च तक सभी बकाया राशि का भुगतान करने को कहा है। अदालत ने कहा, ÷देरी से भुगतान की कोई गुंजाइश नहीं है। प्रतिवादी का ऐसा कहना उचित नहीं है।÷ सुप्रीम कोर्ट के अनुसार जो डेटलाइन दी गई थी उसे देखते हुए स्पष्ट है कि प्रतिवादी डिफॉल्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पाइसजेट लिमिटेड को 15 मार्च से पहले क्रेडिट सुइस एजी को 1.25 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का निर्देश दिया ताकि सुनवाई की अगली तारीख से पहले बकाया का भुगतान सुनिश्चित हो सके। क्रेडिट सुइस की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ को बताया कि 15 फरवरी तक बजट वाहक 12.5 लाख डॉलर का डिफॉल्ट कर चुका था। शीर्ष अदालत ने स्पाइसजेट से कहा, ÷हम आपको एक लंबी रस्सी दे रहे हैं, इस मामले में कोई जोखिम न लें। स्पाइसजेट ने 12.5 लाख डॉलर के एरियर को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि बकाया राशि का भुगतान देर से ही किया गया है। पीठ ने कहा, इस मामले में किसी भी तरह के विलंबित भुगतान की गुंजाइश नहीं है।

दो दिन में ही प्याज की कीमतों में 40 फीसदी का इजाफा, सरकार दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की खबरों के बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में 19 फरवरी को इसका थोक थोक बिक्री मूल्य 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल था।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च की पूर्व घोषित समय सीमा तक जारी रहेगा क्योंकि सरकार कीमतों को नियंत्रण में रखने और घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहती है। सरकार ने 8 दिसंबर, 2023 को 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी थी

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, ÷प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह प्रतिबंध लागू है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।÷ उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की खबरों के बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में 19 फरवरी को इसका थोक थोक बिक्री मूल्य 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल था। सूत्रों ने कहा कि आम चुनावों से पहले 31 मार्च के बाद भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन कम होने की आशंका है। खासतौर पर महाराष्ट्र में रकबा की कम कवरेज होने के कारण रबी प्याज का उत्पादन कम होने की आशंका है।

2023 में रबी सीजन में प्याज का उत्पादन 22.7 मिलियन टन होने का अनुमान था। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज के रबी फसल का आकलन करेंगे। प्याज पर लगे प्रतिबंध के बीच अंतर-मंत्रालयी समूह से अनुमोदन के बाद मित्र देशों को प्याज के निर्यात की अनुमति जरूरत के आधार पर दी जाती है।

प्याज के निर्यात पर 31 मार्च तक जारी रहेगी रोक, केंद्र ने किया स्पष्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 8 दिसंबर 2023 को प्याज की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए इसके निर्यात पर रोक लगा दी थी। आज एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च 2024 के बाद भी जारी रहेगा। यह फैसला कीमतों को नियंत्रण में रखने और घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। प्याज निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह लागू है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना है। वस्तु पर निर्यात प्रतिबंध हटाने की रिपोर्ट पर, देश के सबसे बड़े थोक प्याज बाजार लासलगांव में 19 फरवरी को मॉडल थोक प्याज की कीमतें 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गईं, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल थीं। वहीं सूत्रों ने कहा कि आम चुनावों से पहले 31 मार्च के बाद भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन विशेष रूप से महाराष्ट्र में कम होने की उम्मीद है। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में प्रमुख उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में रबी प्याज कवरेज का आकलन करेंगे। इस बीच अंतर-मंत्रालयी समूह से मंजूरी के बाद केस-टू-केस आधार पर मित्र देशों को प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है।

हूती हमलों के कारण भारत से यूरोप में डीजल भेजने की लागत बढ़ी, अब पश्चिम की बजाए पूर्व की ओर जा रहे जहाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित वोर्टेक्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो हफ्तों में यूरोप में भारत आने वाले ईंधन की आवक औसतन 18,000 बैरल प्रति दिन रही, जिसमें जनवरी के औसत की तुलना में 90त्न से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। भारत से यूरोप में डीजल का शिपमेंट इस महीने अब तक 2022 के बाद से सबसे कम हो गया है। मर्चेंट शिपिंग पर हो रहे हूती हमलों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार बाधित हो रहे हैं। लाल सागर में चल रही उथल-पुथल के बीच पश्चिम के बजाय पूर्व में कार्गो भेजना बेहतर हो गया है। इसके कारण यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में कार्गो का प्रवाह काफी कम हो गया है। ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित वोर्टेक्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो हफ्तों में यूरोप में भारत आने वाले ईंधन की आवक औसतन 18,000 बैरल प्रति दिन रही, जिसमें जनवरी के औसत की तुलना में 90त्न से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। स्पार्टा कॉमोडिटीज के एक विश्लेषक जेम्स नोएल-बेसविक के अनुसार, डीजल शिपमेंट में गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम में शिपिंग की लागत का बढ़ना है। नोएल-बेसविक ने कहा, ÷पूर्व में सिंगापुर की ओर निर्यात करने के लिए अर्थशास्त्र पश्चिम की तुलना में बहुत बेहतर रहे। यूरोप या अटलांटिक बेसिन की ओर जाने वाले टैंकरों को हूती खतरे से बचाने के लिए उन्हें दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप को पार करना होता है जिससे यात्रा की लंबाई और लागत बढ़ जाती है। इस कारण शिपमेंट्स की संख्या में कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो हफ्तों में यूरोपीय संघ में डीजल-प्रकार के ईंधन का कोई आयात नहीं हुआ और ब्रिटेन में केवल एक शिपमेंट का आयात हुआ। हालांकि, ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित पोर्ट रिपोर्ट और टैंकर-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, मार्लिन सिसिली और मार्लिन ला प्लाटा ने हाल ही में भारत में बैरल लोड किए हैं और रॉटरडैम की ओर बढ़े हैं।

रबड़ पर आयात शुल्क में कटौती पर विचार नहीं कर रही सरकार : अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार फिलहाल रबड़ पर आयात शुल्क में कटौती पर विचार नहीं कर रही है क्योंकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच अंतर अब भी बरकरार है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा, ''स्थानीय उत्पादन की तुलना में हम जो

आयात प्राप्त कर रहे हैं, उसके लिए हमने पहले से ही एक अंतर बनाए रखा है।%% उन्होंने कहा, ''यदि आप स्थानीय कीमत की अंतरराष्ट्रीय मूल्य से तुलना करें...तो उस आयात शुल्क के कारण ही अंतर बना हुआ है... इसलिए मुझे नहीं लगता कि अभी आयात शुल्क कम करने पर कोई पुनर्विचार किया जा रहा है। उद्योग के घरेलू उपयोगकर्ता की शुल्कों में कटौती की मांग और स्थानीय उत्पादकों की किसी भी शुल्क कटौती के खिलाफ मांग के बारे में किए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। टायर विनिर्माता इस वस्तु के प्रमुख उपभोक्ताओं में से एक हैं। देश में 13 लाख से अधिक रबड़ उत्पादक हैं। उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा केरल का है। रबड़ का उत्पादन 2022-23 में 8.39 लाख टन था, उस वित्त वर्ष में खपत 13.5 लाख टन थी।

नौ परियोजनाओं के लिए भारत को 128 अरब रुपये का लोन देगा जापान

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान सरकार ने मंगलवार को भारत में विभिन्न क्षेत्रों की नौ परियोजनाओं के लिए लगभग 12,814 करोड़ रुपये का आधिकारिक विकास सहायता लोन देने की प्रतिबद्धता जताई। भारत की ओर से वित्त मंत्रालय के सचिव विकास शील और भारत में जापान के राजदूत सुजुकी हिरोशी के बीच समझौते के लिए नोट्स का आदान-प्रदान किया गया। यहां उन 9 परियोजनाओं को लिस्ट किया गया है। वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा कि सड़क नेटवर्क कनेक्टिविटी परियोजनाओं का लक्ष्य भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार करना है, जबकि चेन्नई परिधीय रिंग रोड परियोजना का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राज्य के दक्षिणी हिस्से में कनेक्शन को मजबूत करना है। नागालैंड में परियोजना सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में योगदान

देने वाले मेडिकल कॉलेज अस्पताल को विकसित करके तृतीयक स्तर की चिकित्सा सेवा वितरण विकसित करने में मदद करेगी। इस सहायता में तेलंगाना में एक अनूठी परियोजना भी शामिल है जो महिलाओं और ग्रामीण आबादी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उद्यमशीलता कौशल की खोज करने और एमएसएमई के व्यापार विस्तार का समर्थन करने में मदद करेगी। हरियाणा में, यह परियोजना टिकाऊ बागवानी को बढ़ावा देगी और फसल विविधीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देकर किसानों की आय में सुधार करेगी। वहीं राजस्थान में वानिकी परियोजना वनीकरण, वन और जैव विविधता संरक्षण के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बढ़ाएगी।

उत्तराखंड में, परियोजना का लक्ष्य शहरी कस्बों को स्थिर जल आपूर्ति प्रदान करना है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना की पांचवीं किश्त नई समर्पित माल रेलवे प्रणाली के निर्माण में मदद करेगी और इंटरमॉडल लॉजिस्टिक्स सिस्टम का आधुनिकीकरण करेगी, जिससे माल ढुलाई में वृद्धि को नियंत्रित किया जा सकेगा।

भारत-जापान संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ आर्थिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में लगातार आगे बढ़ी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए नोट्स के आदान-प्रदान से भारत और जापान के बीच रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी और मजबूत होगी।

चंदा कोचर और उनके पति की गिरफ्तारी शक्तियों के दुरुपयोग का मामला, हाईकोर्ट ने सीबीआई को फटकारा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा ऋण धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी बिना दिमाग लगाए और कानून का सम्मान किए बिना की गई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि यह शक्तियों का दुरुपयोग है।

न्यायमूर्ति अनुजा प्रभुदेसाई और न्यायमूर्ति एनआर बोरकर की खंडपीठ ने 6 फरवरी को कोचर दंपति की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया था और जनवरी 2023 में एक अन्य पीठ द्वारा पारित अंतरिम आदेश की पुष्टि की थी, जिसमें उन्हें जमानत दी गई थी।

सोमवार को उपलब्ध कराए गए आदेश में अदालत ने कहा कि सीबीआई उन परिस्थितियों या सहायक सामग्री के को

प्रदर्शित करने में असमर्थ रही है, जिनके आधार पर गिरफ्तारी का निर्णय लिया गया था। ऐसी परिस्थितियों का अभाव गिरफ्तारी को अवैध बनाता है।

अदालत ने कहा, ÷बिना दिमाग लगाए और कानून का सम्मान किए बिना इस तरह की नियमित गिरफ्तारी शक्तियों के दुरुपयोग के बराबर है।÷ अदालत ने जांच एजेंसी की इस दलील को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि कोचर दंपति को इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और कहा कि आरोपियों को पूछताछ के दौरान चुप रहने का अधिकार है। अदालत के अनुसार, ÷चुप रहने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20 (3) से निकलता है, जो एक अभियुक्त को आत्म-उत्पीड़न के खिलाफ अधिकार देता है। यह कहना पर्याप्त है कि चुप रहने के अधिकार के इस्तेमाल को असहयोग नहीं माना जा सकता।

सीबीआई ने दंपति को 23 दिसंबर, 2022 को वीडियोकॉन-आईसीआईसीआई बैंक ऋण मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए तुरंत उच्च न्यायालय का रुख किया और इसे अवैध घोषित करने की मांग की। उन्होंने अंतरिम आदेश के माध्यम से जमानत पर रिहा करने की मांग की।

9 जनवरी, 2023 को अदालत ने एक अंतरिम आदेश में कोचर को जमानत दे दी, यह देखते हुए कि सीबीआई ने लापरवाही से और और बिना सोचे-समझे गिरफ्तारी की थी। 6 फरवरी के आदेश में, पीठ ने कहा कि नियमित गिरफ्तारी से बचने के लिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए पेश की गई थी। इसने हवाला दिया कि यह प्रावधान गिरफ्तारी की शक्ति को प्रतिबंधित करता है जब कोई आरोपी व्यक्ति पूछताछ के लिए पेश होने के लिए पुलिस द्वारा जारी नोटिस का अनुपालन करता है और यह अनिवार्य करता है कि गिरफ्तारी तभी की जाएगी जब पुलिस की राय हो कि यह जरूरी है। अदालत ने कहा कि हालांकि किसी आरोपी से पूछताछ करना और मुद्दे पर पहुंचना जांच एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन यह न्यायिक समीक्षा से पूरी तरह मुक्त नहीं है। पीठ ने कहा, अदालत विचार कर सकती है कि स्वतंत्रता से वंचित करने के कारण तर्कसंगत, उचित या काल्पनिक हैं या नहीं। पीठ ने आगे कहा कि कोचर के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) 2019 में दर्ज की गई थी, और उन्हें 2022 में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अदालत ने कहा, अपराध की गंभीरता के बावजूद याचिकाकर्ताओं (कोचर) से अपराध दर्ज होने की तारीख से तीन साल से अधिक समय तक पूछताछ नहीं की गई या उन्हें समन नहीं किया गया। पीठ ने कहा कि जून 2022 से जब भी कोचर दंपती को धारा 41ए के तहत नोटिस जारी किए गए थे वे सीबीआई के समक्ष पेश हो रहे हैं। सीबीआई ने दावा किया था कि कोचर बंधुओं को इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और साजिश के पूरे पहलू का पता लगाने के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ जरूरी है।

लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में पेटीएम शेयर अपर सर्किट पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर प्रतिबंध लगाने के बाद निवेशकों का फोकस पेटीएम के शेयरों पर है। दरअसल, पिछले हफ्ते कंपनी के शेयर लोअर सर्किट पर ट्रेड कर रहे थे। हालांकि, पिछले दो कारोबारी सत्र से पेटीएम के शेयक अपर सर्किट पर ट्रेड करने लगे। आज पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में 5 फीसदी की तेजी आई। लगातार तीसरे सत्र से कंपनी के शेयर में अपर सर्किट लगा। रिपोर्टों के अनुसार ईडी वन97 कम्युनिकेशंस की शाखा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड की जांच कर रहा है। ईडी को अब तक विदेशी मुद्रा नियमों का कोई उल्लंघन नहीं मिला है। हालाँकि, केंद्रीय एजेंसी को नो-योर-कस्टमर मानदंडों के साथ-साथ संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट तैयार करने के मुद्दों में कुछ खामियाँ मिली हैं। पिछले हफ्ते ईडी ने कथित तौर पर विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन के लिए पीपीबीएल द्वारा विदेशी लेनदेन की औपचारिक रूप से जांच शुरू की थी।

पेटीएम के शेयर प्राइस

फिनटेक कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 5 फीसदी की तेजी आई है। आज कंपनी के स्टॉक 376.45 रुपये और 376.25 रुपये पर पहुंच गए। यह इसकी अपर सर्किट सीमा है।

खबर लिखते वक्त बीएसई सेंसेक्स बेंचमार्क 37.98 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 72,746.14 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 3.05 अंक बढ़कर 22,110.60 पर पहुंच गया।

एक्सिस बैंक का मिला सहयोग

पेटीएम को एक्सिस बैंक का सहयोग मिला है। कंपनी ने मर्चेंट सेटलमेंट जारी रखने के लिए एक्सिस बैंक के साथ सहयोग की घोषणा की थी। इसके बाद बीते कारोबारी सत्र में पेटीएम के शेयर 5 फीसदी चढ़ गए थे।

वहीं, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के संचालन को बंद करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 15 मार्च की समय सीमा के बाद पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन की निरंतरता की अनुमति मिलेगी।

31 जनवरी के आदेश के अनुसार आरबीआई ने पीपीबीएल को 29 फरवरी के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उपकरण, वॉलेट, फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड में आगे जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप रोकने के लिए कहा। आरबीआई ने बाद में इसकी समयसीमा को 15 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीपीबीएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लेकिन वह इसे कंपनी के सहयोगी के रूप में वर्गीकृत करता है, न कि सहायक कंपनी के रूप में।

लग्जरी सामान बनाने वाली दुनिया की शीर्ष-100 कंपनियों में छह भारतीय, डेलॉय ने जारी की सूची

मुंबई, एजेंसी। पहली बार इसे सूची में जगह मिली है। टाटा समूह की इकाई टाइटन कंपनी 24वें स्थान पर है। विविध क्षेत्रों में काम करने वाली फ्रांस की लग्जरी कंपनी एलवीएमएच इस सूची में शीर्ष स्थान पर काबिज है।

लग्जरी उत्पाद बनाने वाली दुनिया की शीर्ष-100 कंपनियों में छह भारतीय कंपनियां भी अपनी जगह बनाने में कामयाब रही हैं। इन छह कंपनियों में मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स और टाइटन के साथ चार अन्य भारतीय आभूषण निर्माता कंपनियां भी शामिल हैं। डेलॉय की सोमवार को जारी %वैश्विक लग्जरी सामान सूची-2023% में 19वें स्थान पर काबिज मालाबार गोल्ड अग्रणी घरेलू कंपनी है।

पहली बार इसे सूची में जगह मिली है। टाटा समूह की इकाई टाइटन कंपनी 24वें स्थान पर है। विविध क्षेत्रों में काम करने वाली फ्रांस की लग्जरी कंपनी

एलवीएमएच इस सूची में शीर्ष स्थान पर काबिज है। पीवीएच कॉर्प दूसरे और रिचमोंट तीसरे स्थान पर है।

डेलॉय ने रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था जैसे-जैसे बढ़ रही है, उपभोक्ताओं में प्राथमिकताएं विकसित हो रही हैं। देश के लग्जरी बाजार में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा रही है, जो घरेलू ब्रांड की वैश्विक पहचान में योगदान दे रही है। देश में लग्जरी उत्पादों की मांग और बढ़ने की उम्मीद है। इससे घरेलू ब्रांड को वैश्विक स्तर पर उभरने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की शीर्ष-100 लग्जरी उत्पाद विक्रेताओं ने 2023 में कुल 347 अरब डॉलर का कारोबार किया। यह सालाना आधार पर 13.4 फीसदी की बढ़ोतरी है। 347 अरब डॉलर के कुल कारोबार में एलवीएमएच की हिस्सेदारी 31 फीसदी है।

डेलॉय के मुताबिक, लग्जरी उत्पाद बनाने वाली दुनिया की शीर्ष-10 कंपनियों का 63 फीसदी बाजार पर कब्जा है। सालाना आधार पर इनकी बिक्री में 23 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। शीर्ष-100 कंपनियों के कुल शुद्ध लाभ में इनकी हिस्सेदारी 76.4 फीसदी है।

बैटरी बनाने वाली कंपनी टेस्ला पावर इंडिया अपनी विस्तार योजनाओं के तहत विभिन्न क्षेत्रों में दो हजार से अधिक कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना बना रही है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि इस भर्ती अभियान में बिक्री, इंजीनियरिंग, परिचालन, विपणन व समर्थन कार्यों से जुड़े पद शामिल होंगे। इससे युवाओं के लिए नौकरी के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे। कंपनी के एमडी कविंदर खुराना ने कहा कि हम भारत में कारोबार विस्तार के लिएप्रतिबद्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेन स्टोक्स से पहले अंपायर्स कॉल पर भड़क चुके सचिन-विराट

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में अंपायर डिसिजन रिव्यू के 'अंपायर्स कॉल' नियम को लेकर फिर बहस छिड़ गई है। इस बार अंपायर्स कॉल को लेकर नाराजगी इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने जाहिर की है। इससे पहले भी कई दिग्गज इस नियम पर विरोध दर्ज करवा चुके हैं। क्रिकेट का खेल सिर्फ बैट और बल्ले से नहीं खेला जाता बल्कि इसमें साइंस भी

जुड़ा होता है। आउट, नॉटआउट का फैसला अब पूरी तरह अंपायर के पास न होकर साइंटिफिक तरीकों से भी होता है, जिसमें डीआरएस जैसी टेक्निक शामिल है। इसी को लेकर भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज में भी बवाल देखने को मिल रहा है। इंग्लैंड को राजकोट टेस्ट में 434 रन की रिकॉर्ड हार मिली तो विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स ने इशारों ही इशारों में इसके पीछे अंपायर्स कॉल का हाथ बता दिया।

वानिंदु हसरंगा ने टी-20 में तोड़ा लासिथ मलिंगा का रिकॉर्ड

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच सोमवार, 20 फरवरी को तीन टी-20 मैच की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। इस मैच को जीतकर मेजबान टीम ने सीरीज में तो 2-0 की अजेय बढ़त बनाई ही, साथ ही कप्तान वानिंदु हसरंगा ने भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। अफगानिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में हसरंगा ने 2 विकेट चटकाए। इन दो विकेटों के साथ उन्होंने अपने अ20ढ्ढ करियर में विकेटों का शतक पूरा किया। इसी के साथ वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं, उन्होंने लीजेंड लासिथ मलिंगा का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। श्रीलंकाई कप्तान ने अपने 63वें मैच में 100वां विकेट लेकर मलिंगा को भी पीछे छोड़ दिया। हसरंगा अब अफगानिस्तान के राशिद खान के बाद 100 टी20 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सिर्फ 53 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

जो कोई भी सोचता है कि टी20, वनडे से बेहतर है, वह बेवकूफ है : इयान चैपल

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा कि प्रशासकों के रवैये के कारण उन्हें 50 ओवर के प्रारूप के भविष्य को लेकर डर है। उनकी यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार से वेलिंगटन में शुरू होने वाली आगामी चैपल-हेडली ट्रॉफी के टी20 श्रृंखला से पहली आई है। 2004 से लेकर अब तक चैपल-हेडली ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच वनडे फॉर्मेट में खेली जाती थी। लेकिन, अब टी20 फॉर्मेट भी इसका हिस्सा बन गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के बयानों में कहा गया है कि ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वियों के बीच भविष्य में बैक-टू-बैक वनडे और टी20 श्रृंखला के लिए एक अंक प्रणाली का भी उपयोग किया जाएगा।

चैपल ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स (डब्ल्यूडब्ल्यूओएस) पर कहा, निश्चित रूप से उनके पास शीर्ष पर टी20 क्रिकेट है और अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट खेला जा रहा है। 50 ओवर का क्रिकेट कम खेला जा रहा है। जो कोई भी सोचता है कि टी20, 50 ओवर के खेल से बेहतर है, वह बेवकूफ है। प्रशासकों ने 50 ओवर के क्रिकेट को नजरअंदाज किया है और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे उस बिंदु तक जाने दिया है, जहां वे इसे फिर से पहचान दिलाने में सफल नहीं हो पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया चैपल-हेडली ट्रॉफी का वर्तमान धारक है, जो आखिरी बार सितंबर 2022 में केर्न्स में तीन वनडे मैचों के लिए खेला गया था। चैपल को भी यकीन नहीं है कि 50 ओवर का प्रारूप कभी भी वह लोकप्रियता हासिल कर पाएगा, जो पहले थी। चैपल को लगता है कि टी20 और हाल ही में टी10 क्रिकेट की लोकप्रियता भी वनडे फॉर्मेट के लिए एक बड़ा खतरा है।

धोनी से पूछना चाहूंगा

शतक लगाने के बाद ड्रॉप क्यों हुआ

मनोज तिवारी ने रोहित और विराट का भी लिया नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। बंगाल के स्टार क्रिकेटर मनोज तिवारी ने क्रिकेट से संन्यास लेने के एक दिन बाद युवा क्रिकेटरों के आईपीएल-केंद्रित दृष्टिकोण को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने प्रतिभाशाली युवाओं के विकास के लिए संतुलित दृष्टिकोण की वकालत करते हुए रणजी ट्रॉफी पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। 2011 में चेन्नई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 104 रनों की यादगार नाबाद पारी सहित 12 एकदिवसीय मैचों में 287 रन बनाने वाले मनोज तिवारी ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए। मनोज तिवारी को शानदार प्रदर्शन के बावजूद चुनौतीपूर्ण दौर का सामना करना पड़ा। तब भारत के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। मनोज अगले 14 मैच नहीं खेल। वह भारत के लिए तीन टी-20 मैच भी खेले हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शतक के बाद भी ड्रॉप होने पर कहा कि वह धोनी से इसका कारण जानना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार बन सकते थे।

मनोज तिवारी ने क्या कहा?

मनोज तिवारी ने कोलकाता में कलकत्ता स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स क्लब में अपने सम्मान के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं धोनी से पूछना चाहता हूं कि 2011 में शतक लगाने के बाद मुझे प्लेइंग इलेवन से बाहर क्यों कर दिया गया? मुझमें रोहित शर्मा, विराट कोहली की तरह हीरो बनने की क्षमता थी, लेकिन नहीं बन सका। आज जब मैं देखता हूं कि कई लोगों को टीवी पर अधिक अवसर मिल रहे हैं तो मुझे दुख होता है।

केएल राहुल की होगी एंट्री, बुमराह होंगे बाहर

भारत और इंग्लैंड: चौथे टेस्ट के लिए ऐसी हो सकती है भारतीय प्लेइंग इलेवन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया अभी 2-1 से आगे है। दोनों देशों के बीच अब इस टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला रांची में 23 फरवरी से खेला जाएगा। रोहित शर्मा की कोशिश होगी कि वह इस टेस्ट को जीतकर सीरीज सील करें, लेकिन इसके लिए उन्हें काफी फूंकफूंक कर कदम रखना होगा। माना जा रहा है कि चौथे टेस्ट मैच में केएल राहुल की टीम में वापसी हो सकती है तो वहीं जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड की वजह से आराम दिया जा सकता है। ऐसी स्थिति में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन चौथे टेस्ट के लिए क्या हो सकती है इसके बारे में जानते हैं।

चौथे टेस्ट मैच में अगर केएल राहुल की प्लेइंग इलेवन में एंट्री होती है तो इस स्थिति में रजत पाटीदार को बैठाया जा सकता है जिनका पिछले दो टेस्ट मैच में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वहीं बुमराह को अगर आराम मिलता है तो उनकी जगह मुकेश शर्मा की प्लेइंग इलेवन में एंट्री हो सकती है। मुकेश कुमार को दूसरे टेस्ट मैच के दौरान रणजी टूर्नामेंट में खेलने की छूट मिली थी और उन्होंने इस दौरान बिहार के खिलाफ 10 विकेट लिए थे। सरफराज खान ने दूसरे टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाया था ऐसे में वह चौथे टेस्ट मैच में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

भारतीय स्पिनर आर अश्विन तीसरे टेस्ट के दौरान फैमिली इमरजेंसी की वजह से मैच के बीच में ही घर लौट गए थे, लेकिन उन्होंने फिर से टीम ज्वाइन कर लिया और वह टीम इंडिया के साथ हैं। ऐसे में वह भी टीम में बने रहेंगे जबकि कुलदीप यादव को भी मौका दिया जा सकता है। विकेटकीपर के तौर पर चौथे टेस्ट में ध्रुव जुरैल को ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनाया जा सकता है जिन्होंने अच्छी विकेटकीपिंग की थी साथ ही तीसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी।

चौथे टेस्ट

भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, सरफराज खान, ध्रुव जुरैल (विकेटकीपर), आर अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार।

अनुष अगरवाल्ला ने ड्रेसेज में दिलाया पेरिस ओलंपिक का कोटा

नई दिल्ली, एजेंसी। 24 वर्षीय अनुष ने कहा कि ओलंपिक में खेलना उनका बचपन का सपना है, वह देश के लिए इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए गौरवान्वित महसूस करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में फवाद मिर्जा खेले थे। हांगझोऊ एशियाई खेलों में ड्रेसेज का

ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाले घुड़सवार अनुष अगरवाल्ला ने देश को घुड़सवारी में पहला पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाया है। देश को यह कोटा अनुष के अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी संघ की चार इवेंट में दिखाए गए प्रदर्शन की बदौलत मिला है।

ओलंपिक में खेलना अनुष का सपना- अनुष ने वारक्ला (पोलैंड) में 73.485 प्रतिशत, क्रोनेनबर्ग, नीदरलैंड में 74.4 प्रतिशत, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में 72.9 प्रतिशत, मिचलेन, बेल्जियम में 74.2 प्रतिशत अंक जुटाए। भारतीय घुड़सवारी संघ का कहना है कि यह कोटा देश के लिए है, आयोजकों को घुड़सवार का नाम भेजने के लिए ट्रायल कराए जाएंगे।

ये आजकल के बच्चे

रोहित ने अलग अंदाज में यशस्वी, सरफराज और जुरेल की तारीफ की; युवा सितारों की फोटो इंस्टा स्टोरी लगाई

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल की अलग अंदाज में तारीफ की है। रोहित ने सोमवार, 19 जनवरी को तीनों युवा सितारों की फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी में लगाई। फोटो पर ये आजकल के बच्चे कैप्शन लिखा है।

भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को रिकॉर्ड 434 रन से हरा दिया। भारत की इस जीत में यशस्वी, सरफराज और जुरेल का काफी योगदान रहा। वहीं सरफराज और जुरेल का यह इंटरनेशनल डेब्यू मैच था।

यशस्वी जायसवाल ने 214 रन की पारी खेली, 12 सिक्स लगाए

यशस्वी जायसवाल ने तीसरे टेस्ट के दूसरी पारी में नाबाद 214 रन की पारी खेली। इस इनिंग्स में उन्होंने 12 सिक्स लगाए, जो किसी भी भारतीय द्वारा एक इनिंग में सबसे ज्यादा है। यशस्वी का इस सीरीज में यह दूसरा दोहरा शतक था। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी डबल सेंचुरी लगाई थी। यशस्वी ने अब तक केवल 7 ही टेस्ट खेले हैं। पिछले साल ही उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया था।

सरफराज ने डेब्यू मैच में दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए- 26 साल के राइट हैंड बैटर सरफरज खान का यह पहला इंटरनेशनल मैच था। सरफराज ने डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए। पहली इनिंग्स में उन्होंने 66 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा के साथ कन्फ्यूजन के चलते सरफराज रनआउट हो गए। 82वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मिड ऑन की ओर शॉट खेलने के बाद जडेजा रन लेने के लिए आगे आए, सरफराज भी दूसरे छोर से दौड़ पड़े। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही सरफराज क्रीज की ओर वापस आ रहे थे, मार्क वुड ने डायरेक्ट थ्रो कर उन्हें रनआउट कर दिया। दूसरी पारी में सरफराज 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

डेब्यू में दोनों पारियों में अर्धशतक जमाने वाले चौथे भारतीय बने सरफराज- सरफराज खान डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने।

जुरेल ने 46 रन की पारी खेली

23 साल के विकेटकीपर बैटर ध्रुव जुरेल ने राजकोट में टेस्ट डेब्यू किया। जुरेल टेस्ट में डेब्यू करने वाले 312वें खिलाड़ी रहे। जुरेल ने भी इस मुकाबले में 46 रन की पारी खेली। उन्होंने विकेटकीपिंग में अहम योगदान दिया। पहली पारी में रवींद्र जडेजा की बॉल पर टॉम हार्टले को स्टंपिंग आउट किया। दूसरी पारी में भी जडेजा की ही बॉल पर बेन फॉक्स को स्टंपिंग आउट किया। वहीं बेन डकेत को मोहम्मद सिराज के थ्रो पर रन आउट कराया।

तमन्ना ने अपने सशक्त प्रदर्शन के जरिये

वीमेन-सेंट्रिक जॉनर को मजबूत किया !

पैन इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया की बाहुबली-द बिगिनिंग में कुशल योद्धा अवंतिका की भूमिका ने भारतीय सिनेमा में उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ ला दिया। इससे वीमेन ओरिएंटेड जॉनर की ओर बदलाव आया। एक महिला योद्धा के उनके किरदार ने न सिर्फ दर्शकों को एंटरटेन किया बल्कि मेनस्ट्रीम सिनेमा में महिला किरदारों को सशक्त बनाने की एक मिसाल भी कायम की। अवंतिका के जरिये, जी करदा एक्ट्रेस ने ताकत और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। एक्ट्रेस ने ट्रेडिशनल जेंडर स्टीरियोटाइप को चुनौती दी और अधिक विविध कहानियों के लिए मार्ग खोल। अपनी डिजिटल फिल्म बबली बाउंसर से उन्होंने महिलाओं के बाउंसर होने की धारणा को तोड़ दिया।

तमिल वेब सीरीज़ नवंबर स्टोरीज़ के साथ ओटीटी पर डेब्यू करते हुए, तमन्ना ने पहले कभी नहीं देखी गई फीमेल करैक्टर सेंट्रिक जॉनर में कदम रखा। उनकी अगली वेब सीरीज़ जी करदा में उन्होंने लावण्या का किरदार निभाया और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आखिरी सच में इंस्पेक्टर आन्या स्वरूप और लस्ट स्टोरीज़ 2 में शांति के रूप में तमन्ना की एक्टिंग ने एक एक्टर के रूप में जटिल किरदारों को निभाया।

इतना ही नहीं खुद को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला। भारतीय सिनेमा में उनका योगदान उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन से परे है। वह बिज़नेस में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण और प्रतिनिधित्व का प्रतीक बन गई हैं, जो उनकी पैन इंडिया पॉपुलैरिटी को बढ़ाता है। अवंतिका से जी करदा, लस्ट स्टोरीज़ 2 और आखिरी सच में अपने लेटेस्ट रोल्स तक तमन्ना भाटिया इंडियन सिनेमा के लैंडस्केप को नया आकार देने की उनकी प्रतिबद्धता का उदाहरण देती है। वर्कफ्रंट पर, तमन्ना निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम के साथ और पोंगल 2024 में रिलीज के लिए तैयार तमिल फिल्म अरनमनई 4 में नजर आएंगी।

अमेरिका में प्रशंसकों ने किया चिरंजीवी का भव्य स्वागत

पद्म विभूषण पुरस्कार के लिए मिला सम्मान

मेगास्टार चिरंजीवी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म विश्वंभरा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। चिरंजीवी को 24 जनवरी को भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। इस सम्मान के लिए उन्हें कई दिग्गज हस्तियों ने बधाई थी। वहीं हाल ही में चिरंजीवी अपनी पत्नी सुरेखा के साथ छुटियां मनाने अमेरिका गए हुए थे। भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने के बाद लॉस एंजिल्स में चिरंजीवी को उनके कुछ प्रशंसकों ने सम्मानित किया। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन अभिनेता के फैंस ने किया था, जिसमें भारी संख्या में फैंस मौजूद रहे और चिरंजीवी ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। अमेरिका में छुट्टी मनाने गए चिरंजीवी ने अपनी पत्नी सुरेखा का जन्मदिन भी मनाया। दोनों ने वहां एक शादी समारोह में भी शिरकत की। शादी और जन्मदिन के बाद चिरंजीवी लॉस एंजेलिस में सम्मान समारोह में शामिल हुए। जैसे ही वे कार्यक्रम स्थल पहुंचे, फैंस ने उनका गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। उन्होंने चिरंजीवी के नाम के नारे भी लगाए। अभिनेता ने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दर्शकों के समर्थन और प्यार से बड़ा कोई आशीर्वाद नहीं है और उन्हें धन्यवाद दिया।

गोविंदा मेरी रगों में हैं: राधिका मदान

हाल ही में एक कार्यक्रम में, बॉलीवुड सनसनी राधिका मदान ने पूर्ण विकसित व्यावसायिक मसाला फिल्मों के क्षेत्र में उद्यम करने की अपनी आकांक्षा व्यक्त की। विभिन्न भूमिकाओं में अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर बहुमुखी अभिनेत्री ने मुख्यधारा सिनेमा की जीवंत और मनोरंजक दुनिया का पता लगाने के लिए अपनी उत्सुकता साझा की। एक दिलचस्प रहस्योद्घाटन में, राधिका मदान ने खुले तौर पर महान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा के प्रति अपनी आत्मीयता की घोषणा करते हुए कहा, गोविंदा मेरी रगों में हैं, और इसके बारे में किसी को भी पता नहीं है।

यह घोषणा दर्शकों को प्रतिष्ठित अभिनेता की ऊर्जा, शैली और मसाला फिल्म शैली के लिए बेजोड़ स्वभाव के प्रति उनकी प्रशंसा की झलक देती है। व्यावसायिक मसाला फिल्मों में काम करने की राधिका की इच्छा विभिन्न सिनेमाई अनुभवों को अपनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ड्रामा से लेकर कॉमेडी तक की फिल्मों में सम्मोहक प्रदर्शन देने के सफल ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, व्यावसायिक सिनेमा की जीवंत दुनिया में राधिका मदान के उद्यम का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। अपनी प्रामाणिकता और जीवंत ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली, मसाला फिल्म क्षेत्र में राधिका मदान की यात्रा निश्चित रूप से इस शैली में एक नया और गतिशील परिप्रेक्ष्य लेकर आएगी।

जैसे ही वह नए क्षितिज पर अपनी नजरें जमाती है, प्रशंसक और फिल्म उद्योग समान रूप से उस जादू का इंतजार कर रहे हैं जो वह निस्संदेह बड़े पर्दे पर लाएगी। आगे देखें तो, राधिका की आगामी फिल्मों में 12 जुलाई को अक्षय कुमार के साथ सरफिरा, उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म सना और रूमी की शराफत शामिल हैं।

हॉलीवुड में काम करने जा रहीं भूमि

भूमि पेडनेकर अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करती हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई उनकी फिल्म भक्षक को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हो रही है। भारत के साथ यह फिल्म वैश्विक मंच पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भक्षक मौजूदा समय में नेटफ्लिक्स पर विश्व स्तर पर शीर्ष 5 गैर-अंग्रेजी फिल्मों में जगह बनाने में कामयाब रही है। भक्षक की वैश्विक चर्चा के बीच भूमि के हॉलीवुड में काम करने को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं। कहा जा रहा है कि उनकी शानदार अभिनय क्षमताओं और उनकी फिल्मों की वैश्विक अपील ने हॉलीवुड का ध्यान आकर्षित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हॉलीवुड की चकाचौंध के बीच भूमि का अपना एक दृष्टिकोण है, जिस पर वे आगे बढ़ना चाहती हैं। उनकी नजर में कहानी यादा महत्वपूर्ण है। साथ ही, उनका लक्ष्य भारतीय महिलाओं को स्क्रीन पर सटीक ढंग से पेश करना भी है। कहा जा रहा है कि भारत और विदेश में वे सही प्रोजेक्ट चुनने को लेकर सतर्क हैं। बताया जा रहा है कि कुछ बड़े प्रोजेक्ट के लिए उनसे संपर्क किया गया है, जिसके लिए वे मार्च या अप्रैल में लॉस एंजिल्स की यात्रा पर जा सकती हैं। भूमि से पहले कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां हॉलीवुड में अपने अभिनय का जादू दिखा चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा अब तक कई बड़े प्रोजेक्ट में नजर आ चुकी हैं। वहीं, दीपिका पादुकोण विन डीजल जैसे स्टार के साथ स्क्रीन साझा कर चुकी हैं। दोनों के अलावा हाल ही में आलिया भट्ट भी एक विदेशी प्रोजेक्ट में काम कर चुकी हैं।

आरसी 16 में राम चरण के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी जान्हवी

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि जान्हवी ने अपना दूसरा तेलुगु प्रोजेक्ट साइन किया है। वे जल्द ही बुची बाबू सना के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट में राम चरण के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

जान्हवी कपूर इन दिनों अपने तेलुगु डेब्यू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक तरफ जहां अभिनेत्री जूनियर एनटीआर के साथ देवरा में मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। वहीं, दूसरी ओर खबर थी कि वे राम चरण के साथ आरसी 16 में भी अभिनय करेंगी। इस बीच, अब फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि जान्हवी ने अपना दूसरा तेलुगु प्रोजेक्ट साइन किया है। वे जल्द ही बुची बाबू सना के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट में राम चरण के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

राम चरण और सूर्या के साथ काम करेंगी जान्हवी

बोनी ने कहा, मेरी बेटी पहले ही जूनियर एनटीआर के साथ एक फिल्म की शूटिंग कर चुकी है। वे जल्द ही वह राम चरण के साथ भी एक फिल्म शुरू करेंगी। रामचरण और जूनियर एनटीआर दोनों लड़के बहुत अछे हैं। जान्हवी बहुत सारी तेलुगु फिल्में देख रही हैं और उनके साथ काम करके वे धन्य महसूस करती हैं। मुझे उम्मीद है कि जान्हवी की फिल्म देवरा दर्शकों को पसंद आएगी। जान्हवी जल्द ही सूर्या के साथ भी स्क्रीन साझा करेंगी। उन्होंने अपनी पत्नी श्रीदेवी को याद करते हुए कहा, श्रीदेवी ने भी कई भाषाओं में अभिनय किया, मुझे उम्मीद है कि मेरी बेटी भी ऐसा ही करेगी।

देवरा की शूटिंग में व्यस्त हैं जान्हवी

जान्हवी कपूर फिलहाल जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म देवरा में काम कर रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री अपना तेलुगु डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन कोराताला शिवा ने किया है।

प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको, नारायण, कलैयारासन, मुरली शर्मा और अभिमन्यु सिंह सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं। वहीं, आरसी16 में उनकी भूमिका उन्हें तेलुगु सिनेमा में अपने अभिनय कौशल को प्रदर्शित करने का एक और शानदार मौका मिल गया है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही जान्हवी के फैंस उत्साहित हो गए हैं।

मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ये सितारे

रामचरण की फिल्म आरसी 16 की बात करें, तो इसका निर्देशन बुची बाबू सना के जरिए किया जाएगा। आरसी 16 में रामचरण के अलावा जान्हवी कपूर और शिव राजकुमार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। कन्नड़ सुपस्टार शिवा इस फिल्म से अपना तेलुगु डेब्यू करने जा रहे हैं।

दीपिका के ड्रेसिंग सेंस की दीवानी हैं एक्ट्रेस अदा

नागिन फेम अदा खान को एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का ड्रेसिंग सेंस बहुत पसद है। उन्होंने दीपिका की तारीफ करते हुए कहा कि चाहे वह कुछ भी पहनें, उनमें आत्मविश्वास झलकता है। अदा ने अपने फैशन मंत्र को समझाते हुए कहा कि मैं फैशन को खुद को अभिव्यक्त करने के रूप में देखती हूं। यह मेरी पर्सनैलिटी, क्रिएटिविटी और मूड को दिखाने का एक तरीका है। यह स्थिति के लिए उपयुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फैशन के मामले में मेरे पास विशेष टीम नहीं है। मैं दीपिका के बारे में बहुत सोचती हूं। वह जो भी पहनती हैं उसमें आत्मविश्वास दिखाता है। उन्होंने कहा कि एक सेलेब्रिटी होना आपके साथ जुड़ा होता है, क्योंकि उन्हें हर समय अच्छा दिखने की ज़रूरत होती है। उन्होंने कहा कि सुर्खियों में रहना निश्चित रूप से एक दबाव है, लेकिन मैंने इसे शालीनता के साथ स्वीकार करना सीख लिया है, यह महसूस करते हुए कि अच्छी तरह से तैयार होना केवल दिखावे से कहीं अधिक है, यह आत्मविश्वास और वास्तविकता व्यक्त करने के बारे में भी है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे वास्तव में वर्तमान फैशन के साथ बने रहना पसंद है। लेकिन, स्टाइल पर ज्यादा ध्यान न देते हुए मैं आरामदायक चीजों को पसंद करती हूं। उन्होंने खुलासा किया कि उनके पसंदीदा कपड़े लेगिंग या आरामदायक जींस के साथ बड़े आकार की टी-शर्ट हैं।

नाहरगढ़ फोर्ट में की ग्रैंड वेडिंग, दुल्हन के जोड़े में दिखी पहली झलक

शादी के बंधन में बंधीं टीवी की पार्वती

टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में पार्वती का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया पिछले कुछ दिनों से अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में रही हैं। वो मंगेतर विकास पराशर संग वेडिंग को लेकर सुर्खियों में रही हैं। बीते दिनों ही उनकी शादी की रस्में शुरू हुई थीं। ऐसे में अब फैंस का इंतजार खत्म हो गया है। सोनारिका शादी के बंधन में बंध गई हैं। दुल्हन के जोड़े में एक्ट्रेस की पहली झलक भी सामने आ गई है। उनका वरमाला का वीडियो सामने आया है, जिसमें कपल को शादी के जोड़े में बेहद ही खूबसूरत देखा जा सकता है। सोनारिका और विकास ने डेढ़ साल पहले दिसंबर, 2022 में सगाई की थी। ऐसे में सगाई के डेढ़ साल के बाद कपल ने शादी रचाई है। उन्होंने राजस्थान के नाहरगढ़ फोर्ट में 18 फरवरी, 2024 को परिवार और करीबी रिश्तादारों-दोस्तों की मौजूदगी में शादी की है। कपल ने रणथंभौर में शाही अंदाज में सात फेरे लिए हैं। इस बात का गवाह उनका सोशल मीडिया पर सामने आया वीडियो है, जिसमें कपल की शादी की झलकियां देखने के लिए मिल रही है। वरमाला का वीडियो धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनारिका, विकास को वरमाला पहनाते समय इमोशनल हो जाती हैं। एक्ट्रेस सुर्ख लाल जोड़े में दिखाई दे रही हैं और विकास शेरवानी में जंच रहे हैं। इस दौरान दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री भी देखने के लिए मिल रही है। सोनारिका को इमोशनल देख विकास उन्हें गले लगा लेते हैं। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस मां का लहंगा पहन दुल्हन बनी हैं।

टीवी की पार्वती के नाम से मशहूर एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया शादी के बंधन में बंध गई हैं। उनका वेडिंग वेन्यू से वरमाला का वीडियो सामने आया है, जिसमें कपल को वरमाला पहनाते हुए देखा जा सकता है।

शादी से पहले 7 साल किया डेट

अगर विकस और सोनारिका भदौरिया के रिश्ते के बारे में बात की जाए तो कपल को एक-दूसरे को पिछले सात साल से डेट कर रहा था, जिसके बाद उन्होंने शादी का फैसला किया। वहीं, विकास पराशर की बात की जाए तो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

श्रीदेवी के लिए हैदराबाद में घर खरीदना चाहते थे बोनी कपूर

बताया- आखिर इस शहर में ऐसा क्या था खास

हैदराबाद शहर से बोनी कपूर काफी लगाव महसूस करते हैं और इसके पीछे कुछ खास वजहें हैं। बोनी ने बताया कि उन्होंने इस शहर को बढ़ते देखा है और एक समय ऐसा था जब वह इस शहर में वाइफ श्रीदेवी के लिए घर खरीदना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अब इस बारे में सोचना काफी मुश्किल लगता है। बोनी कपूर हैदराबाद शहर से काफी लगाव महसूस करते हैं और उन्होंने इस शहर से अपना कनेक्शन याद किया है। उन्होंने बताया कि वह अपनी दिवंगत पत्नी श्रीदेवी के लिए हैदराबाद में एक घर खरीदना चाहते हैं। अपनी फिल्मों की शूटिंग के दौरान शहर का उन्होंने आगे बढ़ते देखा है। कपूर ने बताया कि जान्हवी कपूर बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म में राम चरण के साथ काम करेंगी। बातचीत करते हुए बोनी कपूर ने हाल ही में हैदराबाद और शहर के साथ अपने कनेक्शन और पुरानी यादें शेयर कीं। इस शहर में उन्होंने इतने साल में अपनी कई फिल्मों की शूटिंग की है। बोनी कपूर ने अपनी इस जर्नी में इस शहर में काफी सारे बदलाव देखे और बताया कि उन्होंने कैसे हैदराबाद कैसे विकसित और बदलते हुए देखा है। एक वक्त ऐसा था जब वह वहां श्रीदेवी के लिए एक घर खरीदना चाहते थे.

बोनी ने हैदराबाद में अपनी फिल्मों की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग उस शहर में की है। उन्होंने शहर को बढ़ते देखा है। जब वह कुछ साल बाद जब वापस गए तो पूरा शहर बदल चुका था। उन्होंने बताया कि जब वह पहले वहां आते थे गाड़ी खुद चलाता करते थे लेकिन अब रास्ता बताने के लिए वहां के किसी लोकल की जरूरत पड़ती है। उन्होंने बताया कि एक वक्त ऐसा था जब वह वहां श्रीदेवी के लिए एक घर खरीदना चाहते थे, क्योंकि वहां काफी अधिक कमा लगा रहता था।